शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 76 | गुवाहाटी | मंगलवार, 15 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हरित प्रौद्योगिकी के उपयोग में भारत का अनुभव उल्लेखनीय : ओम बिरला पेज 2
इंफाल में जबरन वसूली मामलों में सात उग्रवादी गिरफ्तार पेज 3
मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राजस्थान इकोनॉमिक रिवाइवल टास्क फोर्स का गठन पेज 5
महिला एचआईएल : ऐतिहासिक नीलामी के लिए 350 से अधिक खिलाड़ी तैयार पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सभी प्रकार के भय से बदनामी का भय सबसे बड़ा होता है।
– आचार्य चाणक्य

मोरीगांव : जेल से फरार पांच कैदियों में से एक का शव मिला

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिला जेल की दीवार लांघकर फरार हुए पांच विचाराधीन कैदियों में से एक का शव आज लाहरीघाट के देनागुड़ी में सोनडोबा बील (झील) में मिला है। फरार अन्य चार की तलाश की जा रही है। बीते गुरुवार तड़के मोरीगांव जेल से भागने वाले कैदियों में सैफुद्दीन, जियारुल इस्लाम, नूर इस्लाम, मफीदुल, अब्दुल राशिद शामिल थे। घटना के बाद फरार हुए कैदियों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीम ने सघन छापामारी अभियान आरंभ किया। इस बीच फरार कैदी अब्दुल राशिद का शव आज लाहरीघाट थाना क्षेत्र के देवागुड़ी में एसोनडोबा बील में मिला। मोरीगांव जिला जेल से भागे पांचों कैदियों में से अब्दुल राशिद के बारे में पुलिस को सूचना मिली थी। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि राशिद ने दो दिन पहले सोनडोबा बील के पानी में एक नाव पर रात बिताई थी। उक्त सूचना के आधार पर मोरीगांव जिले के पुलिस अधीक्षक हेमंत कुमार दास ने राशिद को पकड़ने के लिए बीती रात छापा मारा था। इसके बाद उसका शव बरामद किया गया है। स्थानीय मजिस्ट्रेट ने बरामद किए गए कैदी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने से पहले -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव से पहले कामाख्या से आशीर्वाद लेकर गया था, जीतकर फिर से आया हूं : सैनी

गुवाहाटी (हिंस)। असम के दौरे पर आए हरियाणा के मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी ने कहा है कि चुनाव से पहले मैंने कामाख्या में आकर माथा टेका था, चुनाव जीतकर फिर से माता के चरणों में आया हूं। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन पहुंचने पर आज मुख्यमंत्री सैनी का पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सैनी को मुख्यमंत्री पद के लिए प्रदेश भाजपा ने बधाई दी है। पार्टी के सांगठनिक महासचिव जीआर रवींद्र राजू, असम सरकार के शहरी विकास, सिंचाई आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल, हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल, गुवाहाटी जिला -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आप ने पेट्रोल मूल्य वृद्धि वापस लेने की मांग की

गुवाहाटी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरने के बावजूद भाजपा सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम नहीं की हैं। आप के प्रदेश अध्यक्ष मनोज ने कहा कि हम सरकार से पेट्रोल की कीमतों में 1 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी के फैसले को वापस लेने की मांग करते हैं। धनवार ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा। उन्होंने कहा कि ईंधन की -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा के प्रभारी उच्चायुक्त ने भारत विरोधी आरोप दोहराए

नई दिल्ली (हि.स.)। कनाडा उच्चायोग के प्रभारी स्टीवर्ट व्हीलर ने सोमवार को दावा किया कि उनकी सरकार की ओर से भारत सरकार को कनाडाई नागरिक (हरदीप सिंह निज्जर) की हत्या में भारतीय एजेंटों के हाथ होने के बारे में ठोस और अकाट्य सबूत उपलब्ध कराए गए हैं। अब यह भारत सरकार का काम है कि वे अपने पहले के रवैये के अनुसार इन सबूतों पर गौर करे। -शेष पृष्ठ दो पर

पोबितोरा अभयारण्य पर्यटकों के लिए फिर से खुला

मोरीगांव। एक सींग वाले गैंडे के लिए लोकप्रिय असम में पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य मानसून अवकाश के बाद सोमवार को पर्यटकों के लिए फिर से खुल गया। वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी और जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने अभयारण्य को पुनः खोलने के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लिया, जिससे पर्यटन सीजन की शुरुआत हुई। अधिकारियों ने बताया कि अभयारण्य में सफारी के लिए 20 जीपें -शेष पृष्ठ दो पर

दूर्गा पूजा : जीएमसीएच में पिछले 48 घंटों में 120 दुर्घटना के मरीज भर्ती

गुवाहाटी। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) ने पिछले 48 घंटों में दुर्घटना के मामलों में वृद्धि की सूचना दी है, जो पूजा उत्सव के चरम दिनों के साथ मेल खाता है। जीएमसीएच अधीक्षक डॉ. अभिजीत शर्मा ने खुलासा किया कि नवमी और दशमी के दौरान शहर भर में हुई विभिन्न दुर्घटनाओं के बाद कुल 120 व्यक्तियों को भर्ती कराया गया था। मामलों का ब्यौरा देते हुए, डॉ. शर्मा ने विस्तार से बताया कि इनमें से 59 दुर्घटनाएं गुवाहाटी में ही हुईं, जबकि शेष 61 शहर की सीमा से बाहर की थीं। घायलों -शेष पृष्ठ दो पर

उमर अब्दुल्ला 16 को लेंगे सीएम पद की शपथ

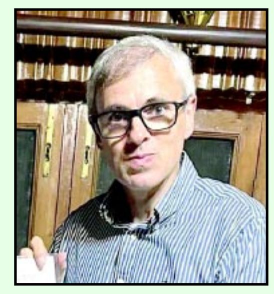

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला 16 अक्तूबर की सुबह 11:30 बजे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। एलजी मनोज सिन्हा ने शपथ ग्रहण समारोह के लिए उमर अब्दुल्ला और उनकी मंत्रिपरिषद में शामिल होने वाले विधायकों को आमंत्रित किया है। एलजी की ओर से जारी लेटर में कहा गया है, आपको जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करते हुए मुझे खुशी हो रही है। जैसा कि तय हुआ है कि आपको और आपके मंत्रियों को 16 अक्तूबर की सुबह 11:30 बजे एसकेआईसीसी, श्रीनगर में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाऊंगा। एलजी मनोज सिन्हा की ओर से इसी पत्र में आगे कहा गया है, जम्मू-कश्मीर के लोगों के हितों में आपके प्रयासों और सफलता -शेष पृष्ठ दो पर

ड्रग्स के खिलाफ अभियान बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगा : शाह

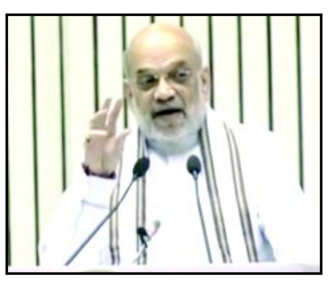

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार हमारी युवा पीढ़ी को ड्रग्स के खतरे से सुरक्षित कर एक नशामुक्त भारत के निर्माण के प्रति कटिबद्ध है। एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि ड्रग्स और नार्को व्यापार के खिलाफ अभियान बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगा। शाह ने दिल्ली पुलिस को कई ऑपरेशन्स के तहत 13 हजार करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स की जब्ती के लिए बधाई दी। इसमें गुजरात पुलिस के साथ मिलकर 5 हजार करोड़ रुपए की -शेष पृष्ठ दो पर

जो साथी छोड़ गए उन्हें साथ लाना है : हिमंत विश्व शर्मा

रांची (हि.स.)। भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री एवं जमुआ विधानसभा क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी डॉ मंजू कुमारी ने अपने पिता, पूर्व विधायक सुकर रविदास एवं अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश चुनाव सह प्रभारी एवं असम सरकार के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। मौके पर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि झारखंड से भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को हटाने, राज्य में सुशासन को स्थापित करने के लिए सबका साथ जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो साथी छोड़ गए हैं उन्हें फिर से वापस लाकर झारखंड में नया सवेरा लाना है, विकसित झारखंड बनाना है। झारखंड को कुशासन से मुक्त करवाने के लिए भाजपा सभी वर्गों, राज्य के शुभचिंतकों से सहयोग और समर्थन की अपेक्षा करती है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सुकर रविदास जी जनसंघ काल से पार्टी के नीतियों कार्यक्रमों से जुड़े रहे हैं। दो बार 1977 एवं 1995 में पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि यह परिवार भाजपा से जुड़ा परिवार है। पिता और पुत्री दोनों का पार्टी में शामिल होना एक प्रकार से घर वापसी है। उन्होंने कहा कि मंजू कुमारी की योग्यता, अनुभव एवं परिश्रम का लाभ पार्टी को मिलेगा। भाजपा क्षेत्र में और मजबूत होगी। डॉ मंजू कुमारी ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण के लिए संकल्पित और समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश की करोड़ों महिलाएं विकास की मुख्यधारा से जुड़ रही हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ बिल पर फिर मचा घमासान, विपक्ष ने जेपीसी की बैठक का किया बहिष्कार

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को लेकर एक बार फिर विवाद पैदा हो गया, जिसके बाद विपक्षी सांसदों ने सोमवार को जेपीसी की बैठक का बहिष्कार कर दिया। सदस्यों ने आरोप लगाया कि कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग और कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पाडी की प्रस्तुति वक्फ विधेयक के बारे में नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर कर्नाटक सरकार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ अनावश्यक आरोप लगा रहे हैं, जो समिति के अनुरूप नहीं है और स्वीकार्य नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि उन्होंने बैठक का बहिष्कार किया है, क्योंकि समिति सिद्धांतों के साथ काम नहीं कर रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

सामाजिक संस्थाओं के महत्व को सामने लाने वाले पर तीन अमेरिकी शोधकर्ताओं को मिला नोबेल

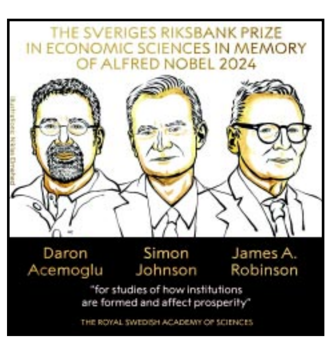

नई दिल्ली (हि.स.)। अर्थशास्त्र में इस बार का नोबेल पुरस्कार किसी देश की समृद्धि में सामाजिक संस्थाओं के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए तीन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों- डारोन एसेमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स रॉबिन्सन को दिया गया है। इन शोधकर्ताओं ने यह समझने में मदद की कि कानून रूप से खराब शासन वाले समाज और जनसंख्या का शोषण करने वाली संस्थाएं विकास या बेहतरी के लिए परिवर्तन उत्पन्न क्यों नहीं करती हैं। इन वैज्ञानिकों ने यह स्थापित किया कि -शेष पृष्ठ दो पर

डॉक्टरों के संग बैठक के बाद बंगाल सरकार ने कहा –

सात मांगें मान लीं, बाकी तीन के लिए टाइमलाइन देना संभव नहीं

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत के साथ जूनियर डॉक्टरों की मांगों पर चर्चा के लिए सोमवार को स्वास्थ्य भवन में बैठक हुई। मुख्य सचिव ने बताया कि जूनियर डॉक्टरों की दस मांगों में से सात पर प्रगति हुई है। शेष तीन मांगों के लिए कोई निश्चित समयसीमा देना फिलहाल संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर *टाइमलाइन* देना कठिन है लेकिन हम सुधार की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। रविवार को मुख्य सचिव ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और अन्य डॉक्टर संगठनों को बैठक के लिए आमंत्रण भेजा था। बैठक में मुख्य सचिव के -शेष पृष्ठ दो पर

पैंगोंग झील के पास चीन कर रहा बस्तियों का निर्माण

बीजिंग। भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन इसके बावजूद चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा। ताजा जानकारी के मुताबिक, चीन लद्दाख में पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी तट के पास नई बस्तियों का निर्माण कर रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों से इस गतिविधि का खुलासा हुआ है, जिसमें बस्तियों को तेजी से आकार लेते हुए देखा जा सकता है। इन बस्तियों का इस्तेमाल नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जिससे भारत के लिए गंभीर सुरक्षा चिंताएं खड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

अब मरना भी हुआ आसान! दो मिनट में बेहोश, पांच मिनट में मौत

बर्न। स्विट्जरलैंड में पुलिस ने हाल ही में कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और एक संदिग्ध मौत के मामले में आपराधिक जांच शुरू की है। यह मौत विवादित सुसाइड कैप्सूल से जुड़ी हुई है, जिसका उपयोग पहले कभी नहीं किया गया था। इस रिपोर्ट में हम जानेंगे कि सुसाइड कैप्सूल क्या है, इसे बनाने का उद्देश्य क्या है, और इसके पीछे के विवाद क्यों हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सोमवार को इस सुसाइड कैप्सूल का पहली बार उपयोग किया गया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है, और प्रॉसीक्यूटर्स ने आत्महत्या के लिए उकसाने और इसमें मदद करने के संदेह में जांच शुरू कर दी है। यह सुसाइड कैप्सूल नीदरलैंड्स के असिस्टेड सुसाइड ग्रुप, एग्जिट इंटरनेशनल द्वारा विकसित किया गया है। इसके निर्माण का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से आत्महत्या करने का विकल्प प्रदान करना है, जो गंभीर बीमारियों या असाध्य रोगों से जूझ रहे हैं। हालांकि, इस कैप्सूल के उपयोग को लेकर विवाद बढ़ गया है। आलोचकों का कहना है कि यह एक अत्यधिक संवेदनशील मुद्दा है और इसके इस्तेमाल से -शेष पृष्ठ दो पर

इजरायल ने उत्तरी लेबनान में रिहायशी इमारत को बनाया निशाना, 18 की मौत

बेरूत। हिजबुल्ला की ओर से जारी हमलों का इजरायल ने जवाब देना जारी रखा है। इस बीच इजरायल ने लेबनान की राजधानी गाजा में एयरस्ट्राइक और जमीनी अभियान में भी तेजी दिखाई है। सोमवार को इजरायली सेना ने उत्तरी लेबनान में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग को निशाना बनाया। इस घटना में 18 लोगों की मौत हो गई। बताया गया है कि रिहायशी इमारत में कई लोग रहते थे। ऐसे में मृतकों का आंकड़ा बढ़ने के आसार हैं। लेबनान के रेड क्रॉस ने यह जानकारी दी। इस घटना पर इजरायली सेना की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। यह भी साफ नहीं है कि इजरायल ने इस हमले में किसे निशाना बनाया। हालांकि, जिस -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हरित प्रौद्योगिकी के उपयोग में भारत का अनुभव उल्लेखनीय : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 149वीं असेम्बली में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग विषय पर सभा को संबोधित किया। बिरला ने वर्तमान समय की वैश्विक चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से बहुपक्षवाद का प्रबल समर्थक रहा है। बिरला ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में संसदों के बीच व्यापक संवाद और सहयोग मानव कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आईपीयू जैसे मंच के माध्यम से कहा कि देशों की संसद साझी कार्य योजनाओं और साझे प्रयासों के द्वारा संपूर्ण विश्व के लिए समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करने में सफल होंगी। उन्होंने तकनीकी प्रगति, वैज्ञानिक शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया ताकि इस प्रगति का लाभ सभी को समान रूप से मिल सके और इसका उपयोग जिम्मेदारी के साथ समावेशी और शांतिपूर्ण भविष्य के निर्माण के लिए किया जा सके। जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के बारे में लोकसभा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई *वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड* (ओएसओडब्ल्यूजी) की पहल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 76 गीगावाट से बढ़कर 203 गीगावाट हो गई है। उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, बायो फ्यूल गठबंधन जैसी पहलों के बारे में भी बात की, जो जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। इस संबंध में संसद द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों के मुद्दों पर संसद में विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि नए भवन के निर्माण में हरित प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया गया है, जो हरित ऊर्जा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बिरला ने गर्व के साथ कहा कि भारत में स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 355 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य वाले 118 यूनिकॉर्न के साथ, आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप राष्ट्र बन गया है। आमजन को सेवाएं प्रदान करने में भारत में प्रौद्योगिकी के अभूतपूर्व उपयोग के बारे में बात करते हुए। बिरला ने बताया कि कैसे जन धन, आधार और मोबाइल की जेऐएम ट्रिनिटी के माध्यम से वित्तीय सेवाओं के डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन के द्वारा 314 सार्वजनिक कल्याण योजनाओं के तहत 2 ट्रिलियन 495 बिलियन रुपए के वित्तीय लाभ डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों मे अंतरित किए गए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु अल्जीरिया में मिलीं भारतीय समुदाय से, कहा-

आप भारत के सच्चे राजदूत

अल्जीयर्स (हि.स.)। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति ने कहा कि आप भारत के सच्चे राजदूत हैं। अल्जीरिया में भारतीय समुदाय अपने देश के हितों और सॉफ्ट पावर को आगे बढ़ाने वाला पुल है। राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को यहां पहुंचीं हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक *एक्स* अकाउंट पर साझा की गई सचित्र पोस्ट में यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि आप में से प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर हमारी प्राचीन भूमि के मूल्य और संस्कृति को समेटे हुए है। जब भी आप किसी अल्जीरियाई व्यक्ति से मिलते हैं, तो आप उसका परिचय भारत की भावना से कराते हैं। भारत सरकार और भारतीय समाज ने विदेशों में भारत की स्थिति, प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठा को बढ़ाने में भारतीय समुदाय के योगदान को हमेशा महत्व दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में कल अल्जीरिया पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने ने उनका जोरदार स्वागत किया। अल्जीरिया सरकार की कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

35 खिलाड़ी एनएसटी अवॉर्ड से होंगे सम्मानित

भोपाल (हि.स.)। 29वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स (एनएसटी) खेल अवॉर्ड 2024 की सोमवार देर शाम घोषणा कर दी गई है। आगामी 18 अक्तूबर को समन्वय भवन (अपेक्स बैंक) न्यू मार्केट में होने वाले खेल समारोह में हॉकी ओलंपियन विवेक सागर, शूटिंग ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, शूटिंग पैरालंपियन रुबिना फ्रांसिस, जूडो पैरालंपियन कपिल परमार सहित कुल 35 खेल सितारों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजक इंद्रजीत मौर्य ने बताया कि खेल समारोह में केनो-कया स्टार प्राची यादव और पूजा ओझा को पैरालंपिक विशेष अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड की घोषणा बाद में की जाएगी। समारोह में प्रतिभावान खिलाड़ियों संचय सिंह (स्केटिंग), जसरीत मोर (बॉक्सिंग), भोलू परमार (घुड़सवारी), बंदना ठाकुर (वेटलिफ्टिंग), देव मीणा (पोल वाल्ट), रोहन जैसवाल (बास्केटबाल), खुशी दभाड़े (तलवारबाज), जीवन सिंह (जु जुत्सु), राहुल सरीन (बॉडी बिल्डर), कुनैन दाद (हॉकी) को भी विभिन्न अवार्डों से सम्मानित किया जाएगा।

दुर्गा पूजा के दौरान लापता बच्चे का शव नदी से बरामद

तिनसुकिया (हिंस)। दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान लापता हुए बच्चे का शव आज मार्घेरिटा में नदी से बरामद किया गया। पुलिस ने आज बताया कि पांच वर्षीय बच्चे का शव सोमवार को मार्घेरीटा के पास बुढ़ीदिहिंग नदी में तैरता हुआ मिला। ज्ञात हो कि बीते चार दिनों से बच्चा लापता था। मृतक बच्चे की पहचान अभिमन्यु चक्रवर्ती के रूप में हुई है। वह स्थानीय दुर्गा पूजा समारोह के दौरान शुक्रवार सुबह से लापता था। मार्घेरिटा पुलिस ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में नदी से शव बरामद किया। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए तिनसुकिया सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। अभिमन्यु मार्घेरिटा के लाजुम वार्ड नंबर 4 में अपने दादा सत्यजीत भट्टाचार्य के घर से लापता हो गया था।

ड्रग्स समेत महिला तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया रेलवे स्टेशन से एक महिला ड्रग्स तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया रेलवे स्टेशन पर चलाए गए अभियान के दौरान चार साबुनदानी में छुपा कर रखे गए 47 ग्राम ड्रग्स समेत एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। बरामद ड्रग्स को महिला सिलचर से लेकर आई थी। अभियान के दौरान महिला का अन्य साथी युवक मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

एससी की नई बिल्डिंग का हुआ भूमि पूजन, पांच सितारा सुविधाएं मिलेंगी

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट के विस्तारित बिल्डिंग के लिए सोमवार को भूमि पूजन समारोह हुआ। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़, दूसरे जजों और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और अर्जुन राम मेघवाल ने फावड़ा चलाकर और नारियल तोड़कर इस काम की शुरुआत की। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी हुई। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि न्यायपालिका हमारे लोकतंत्र का बड़ा स्तंभ है। आज सुप्रीम कोर्ट के विस्तारित बिल्डिंग का भूमि पूजन पृथ्वी स्वयं, नारियल का जल, दीपक की अग्नि, वायु और आकाश सभी की साक्षी में हुआ। मेघवाल ने कहा कि विधायिका का नया भवन संसद बना।

हैदराबाद के माता मंदिर पर हमला भाजपा विधायक घर पर नजरबंद

हैदराबाद (हि.स.)। राजधानी के मोंडा मार्केट के पास कुम्मारिगुडा स्थित मुत्यालम्मा दुर्गा माता के मंदिर में सोमवार सुबह प्रतिमा तोड़े जाने की खबर के बाद तनाव फैल गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मंदिर पहुंचे और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया लेकिन बड़ी संख्या में मौजूद पुलिस बल ने स्थिति काबू में रखी। हैदराबाद के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजा सिंह को उनके घर पर ही नजरबन्द किया गया है। पुलिस के अनुसार एक अज्ञात व्यक्ति ने मंदिर में लगी अम्मा की मूर्ति को खंडित कर दिया। इसकी जानकारी होने पर आज सुबह बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मंदिर पहुंचे और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। सीसीटीवी में आरोपित का वह फुटेज कैद हुआ है, जिसमें वह मंदिर के गेट को लात मारकर मूर्ति को नष्ट करने से पहले मंदिर के अंदर घुस रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपित की पिटाई कर दी। पुलिस ने सड़क पर डेरा जमाए लोगों को हिरासत में ले लिया। इसी क्रम में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोक-झोंक भी हुई। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने घटनास्थल का निरीक्षण और कहा कि राज्य सरकार मंदिरों को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि कुछ ही दिनों के भीतर हैदराबाद शहर में यह चौथी घटना है। उन्होंने कहा कि हिंदू मंदिरों में मूर्तियों पर हमला करने वाले पुलिस के अनुसार वे सिर्फ चोरी करने आए थे और उन्होंने कहा कि पुलिस का यह कहना सही नहीं है। किशन रेड्डी ने पूछा कि ऐसी घटनाएं होने पर पुलिस केस दर्ज कराकर उपद्रव मचाने वालों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है? इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और यह पता लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए कि उनके पीछे कौन है। किशन रेड्डी ने कहा कि मुत्यालम्मा दुर्गा माता की मूर्ति तोड़े जाने की घटना को राज्यपाल के संज्ञान में लाया जाएगा। इस बीच हैदराबाद पुलिस के आयुक्त सीवी आनंद ने मंदिर के अंदर जाकर निरीक्षण किया। उधर, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के विधायक श्रीगणेश ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से बात की। इस घटना के सिलसिले में पुलिस पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है और उससे पूछताछ जारी है। इस घटना की जानकारी मिलते ही गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजा सिंह अपने आवास से निकले लेकिन पुलिस ने उन्हें घर पर ही नजरबंद कर दिया है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

NEUROLOGIST

DR. SRIKANTH SRINIVASAN MD, DMMast of Psychiatry (Melbourne)

Will be available only for consultation at Guwahati

ON 20th October'2024

Patients suffering from fits, headache, paralysis, Epilepsy, chronic pains, slowness of movements, involuntary movement of body, face, neck , instability, giddiness, sleep disorders, poor memory, tiredness, back & neck pain, loss of consciousness, etc can register their names:

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

मोरीगांव : जेल से ...

मौका मुआयना किया। लहरीघाट समजिला के सहायक आयुक्त प्रमोद शर्मा ने कहा कि राशिद को उसकी गर्दन के चारों ओर एक जाल में फंसा हुआ पाया गया था और उसके पैर में चोट के निशान हैं। मोरीगांव पुलिस अधीक्षक के अनुसार, अब्दुल राशिद संभवत: पानी में डूब गया होगा, जिसके चलते उसकी मौत हो गई होगी। मोरीगांव पुलिस फरार अन्य चार कैदियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है। मोरीगांव के जिला आयुक्त देबाशीष शर्मा ने बताया कि फरार राशिद का पैर जेल की ऊंची दीवार से कूदने के दौरान टूट गया था। अब्दुल राशिद बील के बीच में एक छोटी छड़ी लेकर पानी में छिपा हुआ था। पुलिस द्वारा घेर लिए जाने के कारण काफी देर तक पानी में छुपे रहने से संभवत: वह डूब गया होगा, जिसके चलते उसकी मौत हो गई।

चुनाव से पहले ...

अध्यक्ष तपन दास, गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेन शरनिया और पार्टी कार्यकर्ता इस दौरान उपस्थित थे। भाजपा मुख्यालय पहुंचने से पहले सैनी ने आज सुबह मां कामाख्या का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। अपने संबोधन में नवाब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण ही हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की जीत संभव हो पाई है। भाजपा की जीत का मतलब कार्यकर्ताओं की जीत है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के दौरान असम में बड़े पैमाने पर विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2014 से पहले के असम और 2024 के असम के बीच आकाश-पताल का अंतर देखा है। हरियाणा प्रदेश के सांगठनिक महासचिव फणींद्र नाथ शर्मा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यहां से फणि शर्मा को ले गए थे और जीआर रविंद्र राजू को यहां दे गए थे। उन्होंने कहा कि फणि शर्मा ने पार्टी में दिन-रात मेहनत की है। उन्होंने हरियाणा में कमल की खेती में फूल खिला दिए हैं। फणि शर्मा तीसरी बार सरकार लेकर आए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने यह भी दोहराया कि उन्होंने पिछले चुनावों के दौरान मंत्रियों- चंद्रमोहन पटवारी और अशोक सिंघल के साथ असम में काम किया है।

पोबितोरा अभयारण्य पर्यटकों ...

और 13 हाथी उपलब्ध रहेंगे। मई में मानसून के शुरू होने पर अभयारण्य को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया था, जिसके दौरान बाढ़ से क्षेत्र में भारी तबाही मच गई थी। 38.85 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस अभयारण्य में गैंडों का घनत्व सबसे अधिक है, जो घास के मैदान और आर्द्रभूमि आवास प्रदान करता है। यह 107 गैंडों, 500 से अधिक जंगली भैंसों, हजारों हिरणों और लगभग 385 प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों का घर है।

दूर्गा पूजा : जीएमसीएच में ...

में 112 पुरुष और 8 महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश 20-40 आयु वर्ग के थे, जो 81 मामलों के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने कहा कि 20 से 40 वर्ष के आयु वर्ग में सबसे अधिक दुर्घटनाएं हुई हैं, जो त्योहारी सीजन के दौरान एक चिंताजनक प्रवृत्ति को दर्शाता है। अब तक, दुर्घटनाओं के दौरान लगी विभिन्न चोटों के लिए 24 व्यक्ति अभी भी जीएमसीएच में उपचाराधीन हैं। सौभाग्य से, किसी भी गंभीर या गंभीर चोट की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। हालांकि, एक दुखद घटना भी देखने को मिली, जिसमें एक व्यक्ति को दुर्घटना के बाद अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम जांच के नतीजों के बाद ही पता चलेगा। डॉ. शर्मा ने इस तरह के उत्सवों के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि दुर्घटनाओं में हाल ही में हुई वृद्धि ने सड़कों पर भारी यातायात और मौज-मस्ती से जुड़े संभावित जोखिमों को उजागर किया है।

ड्रग्स के खिलाफ अभियान...

कोकीन की बरामदगी भी शामिल है। ड्रग्स के व्यापार पर हालिया सख्ती के तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस ने 13 अक्तूबर को गुजरात के अंकलेश्वर में एक कंपनी में छापेमारी कर 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5,000 करोड़ रुपए है। इससे पहले 1 अक्तूबर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महिपालपुर में एक गोदाम पर छापेमारी करके 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप जब्त की थी। जांच के दौरान 10 अक्तूबर को दिल्ली के रमेश नगर की एक दुकान से लगभग 208 किलो अतिरिक्त कोकीन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान ये पता चला कि बरामद मादक पदार्थ गुजरात के अंकलेश्वर से आया था। इस मामले में अब तक कुल 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक थाईलैंड की मारिजुआना बरामद हो चुकी है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपए है।

जो साथी छोड़ गए ...

उन्होंने कहा कि जनधन खाता हो, शौचालय निर्माण हो, प्रधानमंत्री आवास हो या तीन तलाक की समाप्ति सभी ने महिलाओं को सुरक्षा प्रदान किया है। भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार भी प्रदेश में महिला कल्याण के लिए समर्पित रही है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश का भला भाजपा ही कर सकती है, परिवारवादी सोच की पार्टियां नहीं। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने किया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में दीपक भारती, मोहन दास, कामेश्वर दास, जगदीश दास, संतोष वर्मा, मुनदेव दास, रंजित वर्मा, कामेश्वर शर्मा, दिवाकर वर्मा, संदीप वर्मा, हिमांशु गुप्ता आदि शामिल हैं।

उमर अब्दुल्ला 16 ...

की कामना करता हूं। मुझे जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला से 11 अक्तूबर को एक पत्र मिला है। इसमें कहा गया है कि आपको सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। एलजी की ओर से कहा गया है कि मुझे जम्मू-कश्मीर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा, सीपीआई (एम) के सचिव जी.एन. मलिक, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज कुमार गुप्ता और निर्दलीय विधायकों (प्यारे लाल शर्मा, सतीश शर्मा, मोहम्मद अकरम, रामेश्वर सिंह और मुजफ्फर इकबाल खान) का भी एक पत्र मिला है। इसमें आपके नेतृत्व वाली सरकार के गठन में समर्थन की पेशकश की गई है। एलजी के इस लेटर से पहले उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की थी। उन्होंने समर्थन पत्र सौंपा था और जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन का दावा पेश किया था। इससे पहले रविवार को जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटाया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने जीत हासिल की है। उमर अब्दुल्ला को गठबंधन का नेता चुना गया है। वो जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

वक्फ बिल पर फिर ...

सावंत ने कहा कि हमने बहिष्कार किया है, क्योंकि समिति सिद्धांतों और मानदंडों के साथ काम नहीं कर रही है। नैतिक और सैद्धांतिक रूप से वे गलत हैं। विपक्षी सांसदों ने वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के बारे में अपनी सभी चिंताओं पर चर्चा करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष से संपर्क करने का फैसला किया है। इससे पहले सोमवार को अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और उनके पिता हरि शंकर जैन अपनी टीम के साथ संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष अपनी प्रस्तुति दर्ज कराने के लिए संसद एनेक्सी पहुंचे। गौरतलब है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 8 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था और फिर बहस के बाद इसे जेपीसी को भेज दिया गया था। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर जेपीसी 1 अक्तूबर तक विभिन्न हितधारकों के साथ अनौपचारिक चर्चा कर रही है। इन परामर्शों का उद्देश्य, वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों को लागू करना है, जो देश भर में 6,00,000 से अधिक पंजीकृत वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को नियंत्रित करता है। वक्फ अधिनियम, 1995, वक्फ संपत्तियों को रेगुलेट करने के लिए बनाया गया था, लेकिन इस पर लंबे समय से कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण के आरोप लगे हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 व्यापक सुधार लाने, डिजिटलीकरण, सख्त ऑडिट, पारदर्शिता और अवैध रूप से कब्जे वाली संपत्तियों को पुन: प्राप्त करने के लिए कानूनी तंत्र लाने का प्रयास करता है। समिति को अगले संसद सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक अपनी रिपोर्ट लोकसभा में प्रस्तुत करनी है।

सामाजिक संस्थाओं के ...

समावेशी संस्थानों से सभी का दीर्घकालिक लाभ होता है। आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार समिति के अध्यक्ष जैकब स्वेन्सन कहते है कि देशों के बीच आय में व्यापक अंतर को कम करना हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। पुरस्कार विजेताओं ने इसे प्राप्त करने के लिए सामाजिक संस्थानों के महत्व का प्रदर्शन किया है। डारोन एसेमोग्लू 1967 में इस्तांबुल, तुर्किये में पैदा हुए। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस से पीएचडी की और अब वे कैम्ब्रिज के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर हैं। साइमन जॉनसन का जन्म 1963 में ब्रिटेन के शेफील्ड में हुआ। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पीएचडी की और वहीं प्रोफेसर हैं। जेम्स ए. रॉबिन्सन का जन्म 1960 में हुआ। उन्होंने पीएचडी येल यूनिवर्सिटी, न्यू हेवन, सीटी, यूएसए से की। शिकागो विश्वविद्यालय, आईएल, यूएसए में वे प्रोफेसर हैं। पुरस्कार के तौर पर इन्हें 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (करीब 9 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जिन्हें पुरस्कार विजेताओं के बीच समान रूप से साझा किया जाएगा। इन वैज्ञानिकों ने बताया कि समावेशी संस्थानों से सभी का दीर्घकालिक लाभ होता है। वहीं इससे उलट निष्कर्षकारी संस्थान सत्ता में बैठे लोगों को केवल अल्पकालिक लाभ देते हैं। इससे होता यह है कि राजनीतिक व्यवस्था जब तक चलती है तब तक चीजें नियंत्रण में रहती है। वहीं लोगों में भविष्य के आर्थिक सुधारों के उनके वादों पर भरोसा नहीं रहेता। जिससे स्थिति में कोई सुधार नहीं होता है। इन्होंने यह भी बताया कि शक्तिशाली लोग सत्ता में बने रहना पसंद करते हैं और इस कारण वे आर्थिक सुधारों का वादा करके जनता को खुश करने की कोशिश करते हैं। लेकिन आबादी को यह विश्वास करने की संभावना नहीं है कि स्थिति सामान्य होते ही वे पुरानी व्यवस्था में वापस नहीं लौटेंगे। अंतत: सत्ता हस्तांतरण और लोकतंत्र की स्थापना ही एकमात्र विकल्प बनता है।

सात मांगें मान ...

अलावा गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, स्वास्थ्य निदेशक और स्वास्थ्य शिक्षा निदेशक भी उपस्थित थे लेकिन स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम की अनुपस्थिति ने विवाद खड़ा कर दिया। आंदोलनकारी डॉक्टर निगम को पद से हटाए जाने की मांग कर रहे हैं और उनकी अनुपस्थिति को इस मुद्दे से जोड़ा जा रहा है। बैठक में 12 डॉक्टर संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें प्रत्येक संगठन से दो-दो प्रतिनिधि शामिल थे। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य सचिव के इस्तीफे की मांग उठाने के साथ-साथ दक्षिण कोलकाता के एक पूजा मंडप से गिरफ्तार किए गए नौ आंदोलनकारियों का मुद्दा भी उठाया। साथ ही, उन्होंने तृणमूल के विधायक और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े डॉक्टर-नेता सुदीप्त राय को भी पद से हटाने की मांग की। इस पर प्रशासन ने जवाब दिया कि चुने हुए प्रतिनिधि को इस तरह से हटाना संभव नहीं है। बैठक के बाद डॉक्टरों ने कहा कि पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर उनकी गंभीर आपत्ति है। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा कि भ्रष्ट लोग अब भी स्वास्थ्य प्रशासन के महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं और पुलिस की भूमिका भी चिंताजनक रही है। ऐसे में हालात सामान्य करना मुश्किल है। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य भर्ती बोर्ड और राज्य मेडिकल काउंसिल में भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए और धर्मतला में अनशन पर बैठे जूनियर डॉक्टरों की सेहत को लेकर चिंता जताई। वेस्ट बंगाल डॉक्टर्स फोरम के अध्यक्ष कौशिक चाकी ने बैठक के बाद कहा कि मैंने मुख्य सचिव से कहा कि वातानुकूलित कमरे में चर्चा करने की बजाय अनशन मंच पर चलें। ऐसा लगता है कि सरकार के लिए मुद्दे अहम हैं लेकिन हमारे साथी डॉक्टरों का जीवन नहीं।

पैंगोंग झील के ...

हो गई हैं। 9 अक्तूबर 2024 को अमेरिकी कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजीज द्वारा कैप्चर की गई सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार, चीन पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी तट पर लगभग 17 हेक्टेयर क्षेत्र में बस्तियों का निर्माण कर रहा है। यह इलाका भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच 2020 के गतिरोध बिंदु से लगभग 38 किलोमीटर पूर्व में स्थित है, हालांकि यह भारत के क्षेत्रीय दावों से बाहर है। तस्वीरों में देखा गया है कि इस क्षेत्र में एक से दो मंजिला इमारतों का निर्माण किया जा रहा है, जिनका उपयोग भविष्य में सैन्य और नागरिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, हेलीकॉप्टर ऑपरेशनों के लिए एक 150 मीटर लंबी हेलीपैड जैसी संरचना भी देखी गई है, जो इस क्षेत्र की रणनीतिक महत्ता को और बढ़ाती है। चीन का यह कदम न सिर्फ सीमा पर तनाव को बढ़ाने वाला है, बल्कि इससे उसकी रणनीतिक क्षमता भी मजबूत होती दिख रही है। तक्षशिला संस्थान के जियो पॉलिटिकल रिसर्च प्रोग्राम के प्रमुख वाई निथ्यानंदम के अनुसार, इस बस्ती में 100 से अधिक इमारतें बनाई जा रही हैं, जिनमें आवासीय संरचनाएं, बड़ी प्रशासनिक इमारतें और खुले स्थान शामिल हैं। ये बस्तियां चीनी सेना के एड-हॉक फॉरवर्ड बेस के रूप में भी काम कर सकती हैं, जिससे उनकी प्रतिक्रिया क्षमता में तेजी आ सकती है। सैटेलाइट इमेजरी के विश्लेषण से यह भी पता चला है कि झील की ओर ढलान वाले इलाके में यह निर्माण अप्रैल 2024 में शुरू हुआ था। इस क्षेत्र में ऊंची चोटियों के पीछे बस्ती का निर्माण किया जा रहा है, जिससे यह भूमि आधारित निगरानी उपकरणों से छिपा रहता है। निथ्यानंदम ने कहा कि यह बस्ती रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी स्थिति आसपास के क्षेत्रों से दृश्यता को सीमित करती है, जिससे किसी भी संभावित हमले के प्रति यह सुरक्षित रहती है। चीन की इस नई बस्ती का निर्माण भारत के लिए बड़ी चिंता का विषय है। पैंगोंग त्सो झील, जो दुनिया की सबसे ऊंची खारे पानी की झीलों में से एक है, भारत और चीन के बीच लंबे समय से विवाद का स्थल रही है। यह क्षेत्र दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव का केंद्र है और अब चीन द्वारा की जा रही यह गतिविधि क्षेत्रीय स्थिरता को और चुनौती दे सकती है। भारतीय सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यह चाल भारत की सुरक्षा तैयारियों को कमजोर कर सकती है और सीमा पर नए संघर्ष का कारण बन सकती है। भारत और चीन के बीच कूटनीतिक वार्ता जारी है, लेकिन चीन अपनी सैन्य गतिविधियों को भी तेज कर रहा है। पैंगोंग त्सो के पास यह नया निर्माण इस बात का स्पष्ट संकेत है कि चीन एक तरफ तो वार्ता की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपनी सामरिक स्थिति को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

अब मरना भी हुआ ...

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं होता। इसके साथ ही, यह नैतिक और कानूनी प्रश्न भी उठाता है कि क्या किसी को ऐसी स्थिति में आत्महत्या के लिए उकसाना सही है। इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है, और पुलिस ने संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस मामले के और भी खुलासे हो सकते हैं। स्विट्जरलैंड का कानून असिस्टेड सुसाइड की इजाजत देता है लेकिन शर्त यह है कि यह काम बिना किसी बाहरी मदद के होना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति मरना चाहता है तो जो शख्स इस काम में इसकी मदद करता है उसका इसमें कोई निजी स्वार्थ नहीं होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि स्विट्जरलैंड में इच्छामृत्यु की इजाजत नहीं मिलती जिसमें हेल्थकेयर प्रैक्टिशनर जहरीला इंजेक्शन देकर व्यक्ति को मौत देते हैं। सारको पॉड यानी सुसाइड कैप्सूल किसी व्यक्ति को चैन से मरने का ऑप्शन देता है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि कोई व्यक्ति इसमें आराम से रिक्लाइनिंग सीट पर बैठ सकता है। फिर यह कैप्सूल सील हो जाता है। इसके अंदर एक बटन होता है जिसे दबाने पर नाइट्रोजन गैस रिलीज होती है। थोड़ी देर में अंदर बैठा शख्स सो जाता है और कुछ मिनटों में उसकी मौत हो जाती है।

इजरायल ने उत्तरी ...

आइतो गांव की इमारत पर हमला हुआ, वह इसाई बहुल क्षेत्र है और हिजबुल्ला संगठन के दक्षिण और पूर्व में स्थित केंद्रों से काफी दूर है। इस बीच इजरायल ने हमास के खिलाफ गाजा पट्टी में भी हमले जारी रखे हैं। कुछ घंटों पहले ही इजरायली सेना की तरफ से गाजा पट्टी पर शरणार्थियों के कैंप हुए हमले में चार लोगों की मौत हुई थी। वहीं, दो दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए। बता दें कि इजरायली सेना लगातार यह दावा कर रही है कि उसका निशाना नागरिकों के बीच छिपे हमास के कार्यकर्ता हैं। हालांकि, वह इससे जुड़े सबूत देने में अब तक नाकाम रहा है। इससे पहले सेंट्रल गाजा के एक स्कूल में इजरायली सेना के हवाई हमले में बच्चों समेत कम से कम 20 लोग मारे गए। रविवार को नुसीरत में हुए इस हमले में दो महिलाओं की भी मौत हो गई।

आप ने पेट्रोल ...

कीमतों में वृद्धि के साथ सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी। उत्पादन और परिवहन लागत में वृद्धि होगी। परिणामस्वरूप, आम लोगों को अपने दैनिक जीवन में विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। राज्य सरकार सभी पहलुओं पर गौर कर रही है। धनवार ने कहा कि आप पेट्रोल मूल्य वृद्धि को वापस लेने और लोगों पर अत्यधिक कर का बोझ डालने के फैसले का समर्थन नहीं करती है। हाल के दिनों में राज्य में रोजमर्रा की जरूरत की सभी चीजों की कीमतें बढ़ी हैं। आप, असम के अध्यक्ष मनोज धनवार ने भी मूल्य वृद्धि पर अंकुश लगाने में राज्य आपूर्ति विभाग की विफलता के खिलाफ बात की।

कनाडा के प्रभारी ...

नई दिल्ली में कनाडा के उप उच्चायुक्त व्हीलर ने विदेश मंत्रालय में तबल किए जाने के बाद बाहर आकर मीडिया को बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से यह मांग की जाती रही है कि कनाडा उसे विश्वसनीय और ठोस सबूत मुहैया कराए। हमारी ओर से अब ऐसा किया गया है और भारत को इन पर कार्रवाई करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) ने कनाडा के उप उच्चायुक्त को आज शाम तलब किया गया और औपचारिक रूप से विरोध दर्ज कराया गया। साथ ही भारत ने कनाडा में उच्च राजनयिकों के खिलाफ अपनाए गए रवैये के विरोध में वहां स्थित भारतीय उच्चायुक्त तथा निशाना बनाए जा रहे राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। भारत का यह भी कहना है कि उग्रवाद और हिंसा के माहौल में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सरकार के कृत्यों ने उनकी सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

असम में होगा 17 *एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय* का निर्माण

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में शीघ्र ही 17 *एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय* का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि मैं आपको हमारे शिक्षा क्षेत्र के लिए एक अच्छी खबर के बारे में सूचित करना चाहता हूं। भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत, असम में कुल 17 *एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय* का निर्माण जल्द ही कराया जाएगा। 50 फीसदी से अधिक अनुसूचित जनजाति आबादी वाले ब्लॉकों को इस स्कूल की स्थापना के लिए चुना गया है।

इंफाल में जबरन वसूली मामलों में सात उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। सुरक्षा बलों द्वारा मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में आज प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इंफाल पश्चिम जिले के पुलिस अधीक्षक के शिवकांत सिंह ने मीडिया को बताया कि लैंगोलगेम गांव में प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोंगड्रेनखोम्बा) के कैडरों की मौजूदगी के बारे में गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक महिला सहित संगठन के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान एल एलिन (26), के रोहित सिंह (23), संजू डब्ल्यू (20), पी थोइबा (26), डब्ल्यू हीरो (21), वाई विकास (23) और हेंथोइबी एम (41) के

रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियान के दौरान अधिकारियों ने दो चार पहिया वाहन, एक दोपहिया वाहन, दो पिस्तौल और छद्म वर्दी बरामद भी की है। उन्होंने कहा कि जबरन वसूली की गतिविधियां बढ़ी हैं। इनके विरुद्ध लोगों ने अपनी नाराजगी जाहिर करना शुरू कर दिया है। पुलिस सक्रिय रूप से स्थिति पर नजर रख रही है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने विभिन्न कारणों से जबरन वसूली की जानकारी पुलिस को नहीं दी। उन्होंने कहा कि बीते चार-पांच दिनों में जबरन वसूली से जुड़े मामलों में इंफाल पश्चिम जिला पुलिस ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि कुछ खास व्यक्तियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) भी लगाना शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को मामलों की सिफारिश करना शुरू करेंगे। उन्होंने लोगों से जबरन वसूली के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए पुलिस को समय पर जानकारी देने का आग्रह किया।

करोड़ों रुपए की ब्राउन शुगर के साथ एक ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) असम की टीम ने गुवाहाटी के जोराबाट इलाके से गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए करोड़ों रुपए मूल्य का मादक पदार्थ बरामद किया है। इस संबंध में मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त एक ट्रक ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया है। असम पुलिस मुख्यालय की ओर जारी बयान में बताया गया है कि पुख्ता सूचना प्राप्त हुई थी कि मादक पदार्थों को नगालैंड से गुवाहाटी तक एक ट्रक (एएस-01आरसी-2336) से ले जाया जा रहा है। पुख्ता जानकारी मिलते ही एसटीएफ की टीम ने गुवाहाटी के वशिष्ठ थानांतर्गत जोराबाट पुलिस चौकी इलाके में नॉर्थ ईस्ट कैंसर अस्पताल के सामने आज सुबह ट्रक को रोका। ट्रक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बिना कवर के 537.2 ग्राम वजन वाले ब्राउन शुगर प्लास्टिक की 45 साबुनदानी से बरामद किए गए। ट्रक के नीचे ड्रग्स को बड़े ही शातिराना तरीके से छुपाकर लाया गया था। इस मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार ट्रक चालक की पहचान रनंजय

मंडल (46) निवासी बरपेटा जिला के बामुनकुची गांव के रूप में की गई है। वर्तमान में वह गुवाहाटी के वशिष्ठ थानांतर्गत बंगाली बस्ती में रह रहा था। गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए तस्कर और ड्रग्स को वशिष्ठ पुलिस को एसटीएफ ने सौंप दिया है।

डिब्रूगढ़ और न्यू बंगाईगांव कारखाना ने हासिल की उल्लेखनीय उपलब्धियां

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के अधीन डिब्रूगढ़ और न्यू बंगाईगांव रोलिंग स्टॉक कारखानों ने सितंबर माह के दौरान सेवा सुधार और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय तरक्की की है। ये उपलब्धि उन्नत ट्रेन कोच और माल वैगन प्रदान करने के लिए पूसीरे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जिससे परिवहन प्रणाली में उत्कृष्ट परिचालन हो सके। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि डिब्रूगढ़ कारखाना की उल्लेखनीय उपलब्धियों में आर 3 एयर होज पाइप के साथ 13 कोचों का संशोधन शामिल है, जिससे चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक कुल 59 कोच हो गए हैं। कारखाना ने 15 कोचों के लिए एयर सस्पेंशन और फिबा संशोधनों के लिए पाइपिंग व्यवस्था का एक सेट भी तैयार किया है, जो वित्तीय वर्ष में अब तक के लिए 58 हो चुका है। 21 कोच में उन्नत

फ्लेक्सिबल होज़ के साथ एयर ब्रेक पाइप और फिटिंग में संशोधन भी किए गए हैं। इस प्रकार चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल 85 कोच हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, चार एलएचबी एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे इस वित्त वर्ष में अब तक इसकी कुल संख्या 37 तक पहुंच गई है। सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम में रिकॉर्ड 255 पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान आयोजित एक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्रदर्शनी में स्क्रैप सामग्री से बने मॉडल पर प्रकाश डाला गया। *स्वच्छता ही सेवा* अभियान के तहत स्वच्छता को बढ़ावा देने और प्लास्टिक जनित प्रदूषण के बारे में भी जागरूकता फैलायी गई। कोचिंग कार्यों के मामले में, डिब्रूगढ़ कारखाना में 58 कोच (एलएचबी और आईसीएफ सहित) आउट-टर्न कर रेलवे बोर्ड के लक्ष्य को पार किया गया और 31 आईसीएफ एवं 35 एलएचबी कोच सेट की आपूर्ति की। व्हील शॉप में 540 व्हील सेट को ओवरहाल किया गया, जिससे अनुरक्षण संचालन में बढ़ोतरी हुई। वास्तव में, इस वित्त वर्ष के दौरान अब तक कुल 14 एनएमजीएचएस कोच आउट टर्न किए गए, जिसमें एक आईसीएफ कोच को एनएमजीएचएस कोच में परिवर्तित करना शामिल है। न्यू बंगाईगांव कारखाना ने भी उत्कृष्ट कार्य का प्रदर्शन किया, जिसमें पहली बार एक रेफ्रिजेनेशन वैन और एक नई नीले रंग की योजना में 1600 एचपी डेमू रेक का सफल टर्न आउट शामिल है, जो आवधिक अनुरक्षण को काफी कम कर देगा। इस कारखाना ने यात्री शिकायतों को दूर करने के लिए प्रेशराइज्ड फ्लाशिंग सिस्टम के लिए एक इन-हाउस टेस्ट बेंच डिजाइन और विकसित किया। आवधिक ओवरहाल (पीओएच) के बाद कुल 60 कोच टर्न आउट किए गए और 144 वैगनों को ट्विन-पाइप एयर ब्रेक सिस्टम से लैस किए गए। व्हील शॉप ने मंडलों को 117 व्हील सेट की आपूर्ति की तथा अतिरिक्त सेट प्रेषण के लिए तैयार है। न्यू बंगाईगांव कारखाना ने सभी कोच और वैगनों में रेलवे बोर्ड संशोधनों के 100 प्रतिशत कार्यान्वयन को भी सुनिश्चित किया और पांच बेकार वैगनों सहित लगभग 380 एमटी लौह और 66 एमटी गैर-लौह स्क्रैप इकट्ठा कर स्क्रैप निपटान में योगदान दिया। चूंकि संरक्षा ट्रेन परिचालन के लिए एक सर्वोपरि उद्देश्य है, इसलिए पूसीरे की ओर से दोनों कारखाने सेवा उत्कृष्टता, संरक्षा और टिकाऊ रेल परिचालन में भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस जोन ने सुरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए कोच एवं वैगनों के नियमित रखरखाव और यात्रियों को सुचारू रूप से सवारी का अनुभव प्रदान करने सहित कई पहल किए हैं।

ड्रग्स उन्मूलन को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : लालदुहोमा

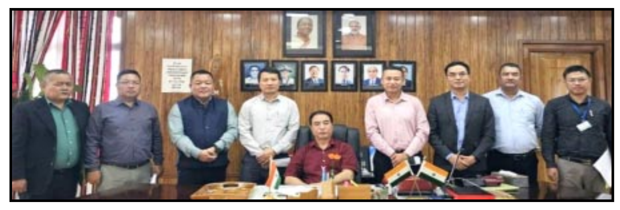

एजल (हिंस)। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने ड्रग्स के उन्मूलन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को आज फिर से दोहराया। आज मिजोरम के आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मादक पदार्थों और शराब के खिलाफ चल रही कार्रवाई में विभागों और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के अथक प्रयासों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि हमारी सरकार की शुरुआत से ही हम, मादक पदार्थों के खतरे से लड़ने के लिए दृढ़ता से समर्पित रहे हैं। हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन अब भी एक लंबा रास्ता तय करना है। इसलिए महत्वपूर्ण है कि सभी एजेंसियां मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए समन्वय करे। बैठक में मिजोरम शराब निषेध अधिनियम, 2019 और मिजोरम शराब निषेध नियम, 2022 को और अधिक मजबूत करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में आबकारी मंत्री लालनघिंगलोवा हमार, विभागीय सचिव, आयुक्त और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

काजीरंगा में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा के बचागांव में हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान बोकाखात के कुरुवाबाही के नयन दास (24) और जोरहाट पानीचकुवा की माधुर्य दास (25) के रूप में हुई है। जबकि, दुर्घटना में घायल चालक की पहचान जोरहाट पुलिस के दिव्यज्योति भराली के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि यह हादसा उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार टाटा मैजिक सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। दुर्घटनाग्रस्त वाहन (एएस 03 सीसी 5994) नगांव से मवेशियों को लेकर जोरहाट के महबंधा जा रहा था। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रंगिया में पहली बार रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया

रंगिया (निसं)। यह पहली बार है कि रावण दहन कार्यक्रम रंगिया में आयोजित किया गया है। रंगिया शिव मंदिर बारोवारी श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति की ओर से पहली बार यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पूजा समिति के अध्यक्ष और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व स्थानीय विधायक भवेश कलिता ने समाज की बुरी ताकतों के प्रतीक रावण का दहन किया। विधायक ने रावण दहन कार्यक्रम से समाज से बुरी ताकतों के उन्मूलन की कामना की। समारोह में अनगिनत लोगों की उपस्थिति से विधायक प्रभावित हुए। इस अवसर पर रंगिया सम जिला आयुक्त, रंगिया पौरसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पूजा समिति के अधिकारियों के अलावा प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

एजीपी का 40वां स्थापना दिवस राज्यभर में मनाया गया

चाबुआ। असम की एकमात्र मजबूत क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी असम गण परिषद (एजीपी) ने आज पूरे राज्य में अपना 40वां स्थापना दिवस मनाया। पार्टी की डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिला समितियों ने पार्टी की डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिला समितियों के सहयोग से जेराई राजा चौक मैदान में एक दिवसीय विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यकारी अध्यक्ष व मंत्री केशव मोहंती ने किया। शहीद श्रद्धांजलि समारोह में शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद फणी भूषण चौधरी ने किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता अध्यक्ष अतुल बोरा ने हजारों पार्टी सदस्यों, पदाधिकारियों और शुभचिंतकों की उपस्थिति में की। असम गण परिषद का प्रगतिशील राष्ट्रवादी दर्शन लोगों का विश्वास बढ़ाने में मुख्य कारक है। एजीपी का 40वां स्थापना दिवस आज डिब्रूगढ़ के चबुआ जिले के जेराई गांव में मनाया गया। एजीपी का 40वां स्थापना दिवस आज डिब्रूगढ़ के चबुआ जिले के जेराई गांव में मनाया गया। बोरा ने इस 40वें स्थापना दिवस पर पार्टी के गौरवशाली झंडे के नीचे

खड़े होकर एक बार फिर असम के राष्ट्रीय जीवन और राष्ट्रवाद को मजबूत करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी असम के हित में राष्ट्रीय चेतना के साथ असम के लोगों की सेवा करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी असम के हित में राष्ट्रीय चेतना के साथ असम के लोगों की सेवा करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी असम के मूल लोगों की सुरक्षा और राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और पार्टी सभी जातीय समूहों और धर्मों के लोगों के बीच विश्वास और एकता के माध्यम से असम के राष्ट्रीय मुद्दों को हल करने के लिए काम करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि समय के साथ क्षेत्रवाद की प्रासंगिकता और महत्व बढ़ गया है और उन्होंने पार्टी के सभी सदस्यों से लोगों के साथ खड़े होकर पार्टी के लाभ के लिए काम करने का आग्रह किया। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केशव मोहंती ने कहा कि पार्टी के जमीनी स्तर के सदस्य पार्टी की मुख्य प्रेरक शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष अतुल बोरा के नेतृत्व में पार्टी एक एकजुट ताकत है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष अतुल बोरा के नेतृत्व में पार्टी एक एकजुट ताकत हा। असम गण परिषद एक क्षेत्रीय पार्टी है लेकिन इसका दृष्टिकोण अखिल भारतीय है। पार्टी को राज्य के विकास के हित में और राज्य की समस्याओं के समाधान के हित में समय की पुकार का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी अपने मुख्य लक्ष्यों और आदर्शों से विचलित हुए बिना आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हा। स्वागत भाषण विधायक व महासचिव पोनाकन बरुवा ने दिया। उद्देश्य को सांसद एवं महासचिव वीरेंद्र प्रसाद वैश्य ने संबोधित किया. उद्घाटन समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद फणी भूषण चौधरी, प्रबीन हजारिका, भूपेन रॉय, सुनील डेका, सुनील राजकोवर, टोलन कोवर, डॉ. तपन दास, ज्योतिमणि मारन, उपाध्यक्ष कुमार दीपक दास, पृथ्वीराज राव, ज्योतिष दास और तुलसी उपस्थित थे। एस, दिगंत शैकिया, पुतुल सोनवाल, पुतुल बरुवा, मामोनी बोरा, अपूर्बा भट्टाचार्य, वित्त सचिव जयंत खौंड, विधायक भबेंद्र नाथ भराली, पूर्व विधायक प्रशांत कुमार बरुवा, केंद्रीय समिति के अध्यक्ष, पार्टी के महासचिव सहित सभी शीर्ष नेतृत्व और जिला समितियां, निर्वाचन क्षेत्रों की समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। असम गण परिषद पार्टी का 40वां स्थापना दिवस नलबाड़ी, जलुकबारी, बरपेटा, भवानीपुर-सरभाग, बंगागांव, गोलाघाट, जोरहाट, बोकाखाट, कलियाबर, नगांव, लखीमपुर, बिहपुरिया, माजुली, मोरीगांव, बिश्वनाथ, तेजपुर, मंगलदाई, दलगांव, सिपाझार, छैगांव, गौरीपुर, धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, दुधनाई, अभयपुरी, रंगिया, कमालपुर, शिलचर, हैलाकांदी, करीमगंज, तामुलपुर, डिमरिया, बरखेत्री, तिहू, बजाली, हाजो, पलाशबाड़ी, बोको, बिलासीपाड़ा और अन्य निर्वाचन क्षेत्र। पार्टी की न्यू गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र समिति द्वारा अंबारी स्थित मुख्यालय में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में पार्टी का झंडा उसके महासचिव मनोज शैकिया ने फहराया। इस मौके पर मुख्यालय में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए. शाम को सभी जिला व विधानसभा क्षेत्र समितियों के मुख्यालय व कार्यालयों में लालटेन जलाई गई।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का मेधावी छात्र सम्मान समारोह संपन्न

गुवाहाटी। आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री प्रशांत कुमारजी एवम मुनि श्री कुमुद कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), गुवाहाटी द्वारा सोमवार को स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में प्रातः 9 बजे से मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित धर्म परिवार को संबोधित करते हुए मुनि प्रशांत कुमारजी ने फरमाया कि विद्यार्थियों के लिए अंक अर्जित करना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्व उन्हें अपने आध्यात्मिक विकास के लिए भी देना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनिवृंद के मंगल उद्बोधन से हुआ। सर्वप्रथम टीपीएफ, गुवाहाटी के सचिव रजत दुधोड़िया ने समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, महानुभावों, मेधावी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का स्वागत किया। तत्पश्चात अध्यक्ष पंकज भूरा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी आगंतुकों का अभिनंदन करते हुए मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर टीपीएफ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मलजी कोटेचा ने अपने संबोधन में टीपीएफ द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में समाज को अवगत कराया तथा शिक्षा सहयोग योजना में समाजबंधुओं से अधिकाधिक सहयोग करने एवम नए मेंबर्स को जोड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शिक्षा सहयोग योजना के अंतर्गत सौ से अधिक विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले अनुदानदाताओं का भी सम्मान किया गया। इनमें आचार्य तुलसी महाश्रमण रिसर्च फाउंडेशन (वर्तमान अध्यक्ष विजय राज डोशी), विजय सिंह डागा, सुशील डागा, उत्तम चंद नाहटा, सुशील सेठिया, निर्मल दुधोड़िया, ज्ञान चंद मरोठी एवं सुनील कठोतिया शामिल हैं। कार्यक्रम में गत वर्ष 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में 85 प्रतिशत के अधिक अंक प्राप्त करने वाले 29 छात्र-छात्राओं को मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज नाहटा एवं ट्रस्टी तारकेश्वर संचेती भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, अणुव्रत समिति एवं एटीएमआरएफ के पदाधिकारियों की भी सहभागिता रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी कार्यकारी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती मल्लिका बैद ने किया। इस आशय की जानकारी उपाध्यक्ष पुखराज जी सेठिया एवं निवर्तमान अध्यक्ष संतोष पुगलिया द्वारा दी गई है।

रूपसी हवाई अड्डे पर फिर से शुरू होगी विमान सेवा

कोकराझार (हिंस)। लगभग एक साल से बंद पड़े असम के कोकराझाड़ जिलांतर्गत परबतझोरा स्थित रूपसी हवाई अड्डे पर विमान सेवाएं फिर से शुरू होंगी। आगामी 17 नवंबर से रूपसी से गुवाहाटी और कोलकाता के लिए एलायंस एयर नामक विमान अपनी सेवाएं फिर से शुरू करेगा। उड़ान योजना के तहत भारत सरकार द्वारा बनाए गए रूपसी हवाई अड्डे से फ्लाईबिग एयरलाइन ने यात्री सेवा आरंभ की थी लेकिन पिछले साल 8 नवंबर से उड़ान संचालन बंद हो गया था। विभिन्न दल एवं संगठनों के विरोध और कोकराझाड़ के सांसद जयंत बसुमतारी द्वारा रूपसी हवाई अड्डे पर फिर से विमान संचालन की मांग के बाद सरकार ने रूपसी हवाई अड्डे से यात्री उड़ानों की आवाजाही के लिए सभी तैयारियां फिर से पूरी कर ली हैं। जानकारी के अनुसार कोकराझाड़ से सांसद जयंत बसुमतारी सभी मुद्दों का जायजा लेने के लिए रूपसी हवाई अड्डे पर पहुंचे और हवाई अड्डे के सभी स्तर की जानकारी लेने के साथ ही हवाई अड्डा के कर्मचारियों के साथ बातचीत की।

जीवनशैली की भूमिका और रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को समझना

गुवाहाटी। डॉ. एएस अप्पाजी कृष्णन, वरिष्ठ सलाहकार-स्पाइन सर्जरी, अपोलो कैंसर सेंटर, चेन्नई ने कहा कि रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य को बनाए रखने और रोकथाम के लिए स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना महत्वपूर्ण है। पीठ दर्द का प्रबंधन, अच्छी मुद्रा, एर्गोनॉमिक्स, नियमित व्यायाम, वजन को शामिल करके प्रबंधन, तनाव प्रबंधन तकनीक, भौतिक चिकित्सा और जीवनशैली में संशोधन व्यक्ति अपनी रीढ़ और समग्र कल्याण के लिए सक्रिय कदम उठा सकते हैं। पीठ के स्वास्थ्य के लिए अच्छी मुद्रा और एर्गोनॉमिक्स बनाए रखने का महत्व कान, कंधे और कूल्हों को संरेखित रखकर रीढ़ की हड्डी के तटस्थ संरेखण को बनाए रखना है आवश्यक। एर्गोनोमिक वर्कस्टेशन, कुर्सियां और उपकरण तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं पीठ, गर्दन और कंधे। इसके अतिरिक्त, स्ट्रेचिंग और घूमने-फिरने के लिए बार-बार ब्रेक लेना लंबे समय तक स्थिर स्थिति के कारण रीढ़ की हड्डी पर पड़ने वाले तनाव को कम कर सकता है। पीठ दर्द की रोकथाम और प्रबंधन के लिए व्यायाम और स्ट्रेचिंग दिनचर्या कम प्रभाव वाली एरोबिक गतिविधियां, जैसे चलना, तैरना या साइकिल चलाना और स्ट्रेचिंग योग या पिलेट्स जैसे व्यायाम लचीलेपन में सुधार कर सकते हैं और मांसपेशियों की जकड़न को कम करने में मदद कर सकते हैं और रीढ़ की हड्डी पर तनाव पड़ता है। स्वस्थ वजन प्रबंधन और पीठ के स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव अधिक वजन से पीठ दर्द और परेशानी हो सकती है। रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है इससे हर्नियेटेड डिस्क और पीठ की अन्य स्थितियों का खतरा भी बढ़ जाता है। संतुलित अपनाकर पोषक तत्वों से भरपूर आहार वजन को कम करके स्वस्थ वजन प्राप्त और बनाए रख सकता है उनकी रीढ़. नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यायाम भी वजन प्रबंधन में मदद कर सकते हैं। पीठ दर्द को कम करने के लिए तनाव प्रबंधन तकनीकें दैनिक जीवन में तनाव प्रबंधन तकनीकों को शामिल करने से पीठ दर्द को कम करने में मदद मिल सकती है समग्र कल्याण में सुधार करें। माइंडफुलनेस अभ्यास, जैसे ध्यान, गहरी सांस लेना व्यायाम, या योग, तनाव के स्तर को कम कर सकते हैं और विश्राम को बढ़ावा दे सकते हैं। आनंद में संलग्न होना गतिविधियां, बाहर समय बिताना या शौक पूरा करना भी प्रभावी तनाव के रूप में काम कर सकता है राहत रणनीतियां। पीठ दर्द के प्रबंधन में भौतिक चिकित्सा की भूमिका प्रशिक्षित भौतिक चिकित्सक इसके अनुरूप वैयक्तिकृत उपचार योजनाएं प्रदान कर सकते हैं व्यक्ति की विशिष्ट स्थिति और आवश्यकताएं, वे व्यायाम और स्ट्रेच लिख सकते हैं लचीलेपन, ताकत और गति की सीमा में सुधार करें, साथ ही उचित शारीरिक यांत्रिकी सिखाएं और आसन तकनीकें। भौतिक चिकित्सक विभिन्न प्रकार के तौर-तरीके भी अपना सकते हैं, जैसे दर्द और सूजन को कम करने के लिए गर्मी या ठंडी चिकित्सा, अल्ट्रासाउंड या विद्युत उत्तेजना। पीठ की विशिष्ट स्थितियों के लिए जीवनशैली में अन्य संशोधन हर्नियेटेड डिस्क वाले व्यक्तियों के लिए जीवनशैली में बदलाव से परहेज करने से लाभ हो सकता है ऐसी गतिविधियां जिनमें अत्यधिक झुकना, मुड़ना या उठाना शामिल है। स्पाइनल स्टेनोसिस वाले लोग हो सकते हैं लंबे समय तक खड़े रहने या चलने से बचें, साथ ही सहायक उपकरणों का उपयोग करके राहत पाएं बेंत या वॉकर, ऑस्टियोपोरोसिस से पीड़ित व्यक्तियों को कम प्रभाव वाले व्यायामों पर ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। किसी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर से परामर्श करने से विशिष्ट जीवनशैली में बदलावों की पहचान करने में मदद मिल सकती है किसी व्यक्ति की पीठ की स्थिति के अनुरूप बनाया गया। *निष्कर्ष रूप में, समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से रीढ़ के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देकर, व्यक्ति ऐसा कर सकते हैं उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करें और पीठ दर्द का बोझ कम करें।*

संपादकीय

पलस्तर गिर रहा

हालांकि सरकारी इमारतों के इस्तेमाल की समीक्षा इस बार पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर कर रहे हैं, लेकिन यह सत्य है कि हम बजट फूंक कर तमाशा देखते हैं। नेता प्रतिपक्ष शिमला के ट्रॉमा सेंटर के बंद दरवाजों के भीतर हुई नियुक्तियों पर अंगुली उठा रहे हैं। बिना कुछ किए धरे, ट्रॉमा सेंटर की शिकायत अब आरोपों तक पहुंच गई है, तो 'तमाशबीन विकास' की आंखों में धूल झोंकने के लिए सभी दोषी हैं। उपर्युक्त ट्रॉमा सेंटर डेढ़ साल पहले शुरू हो सकता था, लेकिन इसी तरह टीएमसी में चाइल्ड-मदर केयर सेंटर सिर्फ एक रैंप न होने की वजह से अपनी कत्र्तव्यपरायणता भूल चुका है। हाय रे बजट कितना कोढ़ी और कितना असहाय हो जाता कि सरकारें बदलते ही पलस्तर गिर जाता है। उदाहरण के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कई अधूरे काम आधे रास्ते पर खड़े होंगे, तो इसलिए कि राजनीति की आंख में सदैव कोई बाल फंसा है जो प्रतिद्वंद्विता में प्रदेश के विकास को कसूरवार बना देता है। विकास की गाथा का चित्रण करते कई सरकारी होटल नीलाम हो गए, तो स्कूल से कालेज तक बंद होने के कगार पर खड़े हैं। यहां एक रोचक किस्सा धर्मशाला के कचहरी अड्डा में 56 लाख की लागत से स्थापित ओवरहेड ब्रिज का है, जो अपने निर्माण के चार सालों बाद भी सिर्फ एक ढांचा, विकास का उपहास और उद्देश्य का मजाक बना दिखाई देता है। यह योजनाकारों, नेताओं के उपकारों और बजट के डकारों का जीता-जागता उदाहरण है, जो काम नहीं करता, बल्कि शहर को बदनाम करता है। न इससे कोई गुजरा और न गुजर सकता है, फिर भी स्मार्ट सिटी की परियोजना मुस्करा रही है और निर्माण का पीडब्ल्यूडी महकमा अहंकार में है। कोई तो इंजीनियर होगा, किसी ने तो निर्णय लिया होगा, लेकिन जनता के सामने विकास का भूत बना यह ओवरहेड ब्रिज अब डरा रहा है। आश्चर्य यह होता है कि हिमाचल के मंदिरों की कमाई से स्कूल-कालेज चलाए जाते हैं या ट्राइबल इलाकों में जिम खोले जाते हैं। यहां प्रवासी पक्षियों को निहारने के लिए टावर ऐसी जगह खड़े किए जाते, जहां पंछियों की उड़ान होती नहीं। हमीरपुर में एक ऐसी जगह पर्यटक सूचना एवं स्वागत केंद्र बना दिया गया था, जहां सैलानी या तो आते नहीं या कुछ पूछते नहीं, नतीजतन वहां बनते ही यह इमारत कब्र बन गई। विकास को मात्र ईंट-पत्थर मानकर हिमाचल ने अपनी जरूरतें गंवा दीं या गुणवत्ता एवं नवाचार के लिए सोच ही नहीं पनपा। हमने एशिया का पहला वानिकी एवं बागबानी विश्वविद्यालय बनाया, लेकिन सियासी पूजा के लिए इससे बागबानी के दो कालेज छीन लिए, नतीजतन शिक्षा की उन्नत प्रणाली का बंटवारा मुख्य परिसर से ही टकराने लगा है। इसी तर्ज पर क्षेत्रीय कार्यालयों को विकास का सरगना बनाने की उम्मीदों ने बंटाधार कर दिया। हैरानी यह कि जो कार्यालय ढंग से एक पुल नहीं बना पा रहा है, वह किसी जोन का मुख्य कार्यालय हो गया। छोटे से प्रदेश में पीडब्ल्यूडी के चार जोन-चार मुख्य अभियंता, लेकिन नवनिर्माण का दिल व बजट कमजोर। इस पर तुर्रा यह कि हिमाचल की सरकारी कार्य संस्कृति में कामचोरी इतनी कि सुदूर क्षेत्रों में भाड़े पर नौकरी की सबलेटिंग होने की शिकायतें हैं। कुर्सी पर टंगा कोट कई मुख्यालयों की प्लानिंग में मशरूफ दिखाई देता है। किसी शख्स को फुर्सत नहीं कि जांचे कि लैब में जांच कैसी हो रही है। किसी को दर्द नहीं कि नवनिर्माण का पलस्तर क्यों गिर रहा। बस भाग रहा है विकास इमारतों की कतार बनकर और घोषणाओं का इश्तिहार बनकर।

> नेता प्रतिपक्ष शिमला के ट्रॉमा सेंटर के बंद दरवाजों के भीतर हुई नियुक्तियों पर अंगुली उठा रहे हैं। बिना कुछ किए धरे, ट्रॉमा सेंटर की शिकायत अब आरोपों तक पहुंच गई है, तो 'तमाशबीन विकास' की आंखों में धूल झोंकने के लिए सभी दोषी हैं। उपर्युक्त ट्रॉमा सेंटर डेढ़ साल पहले शुरू हो सकता था, लेकिन इसी तरह टीएमसी में चाइल्ड-मदर केयर सेंटर सिर्फ एक रैंप न होने की वजह से अपनी कत्र्तव्यपरायणता भूल चुका है। हाय रे बजट कितना कोढ़ी और कितना असहाय हो जाता कि सरकारें बदलते ही पलस्तर गिर जाता है। उदाहरण के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कई अधूरे काम आधे रास्ते पर खड़े होंगे, तो इसलिए कि राजनीति की आंख में सदैव कोई बाल फंसा है जो प्रतिद्वंद्विता में प्रदेश के विकास को कसूरवार बना देता है। विकास की गाथा का चित्रण करते कई सरकारी होटल नीलाम हो गए, तो स्कूल से कालेज तक बंद होने के कगार पर खड़े हैं। यहां एक रोचक किस्सा धर्मशाला के कचहरी अड्डा में 56 लाख की लागत से स्थापित ओवरहेड ब्रिज का है, जो अपने निर्माण के चार सालों बाद भी सिर्फ एक ढांचा, विकास का उपहास और उद्देश्य का मजाक बना दिखाई देता है।

बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

ललित गर्ग

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा

> विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं।

निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है। दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ति मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। असल में इस तरह की दानवी सोच वाले लोग सिर्फ अपना स्वार्थ देखते हैं। ऐसे लोग धन-संपत्ति आदि के जरिए सिर्फ अपना ही उत्थान करना चाहते हैं, भले ही इस कारण दूसरे लोगों और पूरे समाज ही मौत के मुंह में जा रहे हो, यह मानवीय संवेदनाओं के छीजने की चरम पराकाष्ठा है। यह कैसी विडम्बना एवं विसंगतिपूर्ण दौर है जिसमें जिसको जहां मौका मिल रहा है, वह लूटने में लग हुआ है, यहाँ कोई भी व्यक्ति सिर्फ तब तक ही ईमानदार है जबतक उसको चोरी करने का या लूटने का मौका नहीं मिलता। हद तो तब है जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें भी आती रहती हैं। हम कितनें लालची एवं अमानवीय हो गये हैं, हमारी संवेदनाओं का स्रोत सूख गया है, तभी अपना ईमान बेच कर इंजेक्शन में पैरासिटामोल मिलाकर बेचने लगते हैं, हम तो अपनी तिजोरियां भरने के लिए जिंदा इंसानों को ही नोच रहे हैं।

दृष्टि कोण

देव संस्कृति का जीवंत दस्तावेज कुल्लू दशहरा

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव देवभूमि हिमाचल प्रदेश की देव संस्कृति की एक सशक्त एवं जीवंत पहचान है। दशहरा पर्व देवभूमि के आराध्य देव रघुनाथ (भगवान श्रीराम) के प्रति आस्था, स्थानीय देवताओं की पूजा, स्थानीय परम्पराओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हिमाचल की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत करता है। यह पर्व हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जो सात दिनों तक चलता है। जब देश के अन्य हिस्सों में दशहरा समाप्त होता है, तब कुल्लू में इसका शुभारंभ होता है। इस दौरान कुल्लू में भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें विभिन्न देवी-देवता अपने देवालयों से आकर भाग लेते हैं। यहां की स्थानीय लोक संस्कृति, लोक कला, हस्तशिल्प और व्यंजन भी इस उत्सव का अभिन्न हिस्सा होते हैं। कुल्लू दशहरा के दौरान देव समाज और आम जनमानस रघुनाथ जी के समक्ष नतमस्तक होता है। इसलिए कुल्लू दशहरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह स्थानीय निवासियों के लिए एक गहन आध्यात्मिक अनुभव भी है, जो उनके धार्मिक विश्वासों और अनुभूतियों को मजबूती प्रदान करता है। इस उत्सव के दौरान, लोग अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों का पालन करते हैं, जो उनकी आस्था और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं। देवी-देवताओं की भक्ति में लीन होकर लोग मानसिक शांति और संतोष का अनुभव करते हैं। वहीं, यह उत्सव उन्हें अपने धार्मिक कत्र्तव्यों को निभाने, एकजुट होने और साझा अनुभवों के माध्यम से एक मजबूत बंधन बनाने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार कुल्लू दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह आध्यात्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक समर्पण का भी माध्यम बनता है। कुल्लू दशहरे की कहानी भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। रघुनाथ मंदिर के मुख्य छड़ीबरदार महेश्वर सिंह के अनुसार, विजयदशमी के दिन भगवान राम ने रावण की नाभि पर तीर मारा था और उसकी विशाल सेना पर विजय प्राप्त की थी। हालांकि, रावण की मृत्यु विजयदशमी के सात दिन बाद हुई थी, इसलिए कुल्लू में इस त्योहार को सात दिनों तक मनाने की परम्परा है। इस प्रकार कुल्लू दशहरा न केवल धार्मिक विश्वासों का प्रतीक है, बल्कि यह क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का भी जीता-जागता उदाहरण है। कुल्लू दशहरा की परम्परा अपने आरम्भ से लेकर अब तक एक लंबी यात्रा तय कर चुकी है। इस साल कुल्लू दशहरे को शुरू हुए 364 साल हो जाएंगे। वर्ष 1660 में पहली बार कुल्लू दशहरा मनाया गया था। बताया जाता है कि तब कुल्लू में राजा जगत सिंह का राज हुआ करता था। 17वीं शताब्दी में कुल्लू दशहरे की शुरुआत करने का श्रेय भी राजा जगत सिंह को ही जाता है। साहित्यकार डा. सूरत ठाकुर बताते हैं कि इस संदर्भ में 1637 के एक प्रसंग का उल्लेख मिलता है। कुल्लू के राजा जगत सिंह से डरकर एक ब्राह्मण ने आत्महत्या कर ली थी। इससे राजा को ब्रह्म हत्या का दोष लगा। राजा जगत सिंह को भारी ग्लानि हुई और इस दोष के कारण राजा को एक असाध्य रोग भी हो गया था। इस बीमारी से मुक्ति के लिए पयोहारी बाबा किशन दास ने राजा को सलाह दी कि वो अयोध्या के त्रेतानाथ मंदिर से भगवान राम, माता सीता और रामभक्त हनुमान की मूर्तियां लाएं। इन मूर्तियों को कुल्लू के मंदिर में स्थापित करके अपना राजपाठ भगवान रघुनाथ को सौंप दें तो उन्हें ब्रह्म हत्या के दोष से मुक्ति मिल जाएगी। राजा जगत सिंह ने श्री रघुनाथ जी की प्रतिमा लाने के लिए बाबा किशनदास के चेले दामोदर दास को अयोध्या भेजा था। दामोदर दास जब अयोध्या से मूर्ति को चुराकर हरिद्वार पहुंचे तो पीछा कर रहे अयोध्या के पुजारियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी पिटाई के बाद उनसे मूर्तियां छीन लीं। जब अयोध्या के पंडित मूर्ति को वापस ले जाने लगे तो वो इतनी भारी हो गई कि कई लोग मिलकर भी इन मूर्तियों को नहीं उठा सके। वहीं, जब इन्हें पंडित दामोदर ने उठाया तो मूर्ति फूल के समान हल्की हो गई। ऐसे में पूरे प्रकरण को स्वयं भगवान रघुनाथ की लीला जानकर अयोध्या के पुजारियों ने मूर्तियों को कुल्लू लाने दिया। स्वस्थ होने के बाद राजा ने अपना जीवन और राज्य भगवान रघुनाथ को समर्पित कर दिया और इस तरह से यहां दशहरे की शुरुआत हुई। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बहुत से देवता करीब 150 से 200 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करने के बाद देवता कुल्लू दशहरा में भाग ले रहे हैं। इसके लिए देवी-देवताओं के रथ सजकर तैयार हो चुके हैं। देवता के कारकूनों, हरियानों और देवलुओं ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सफर लंबा होने से देवता दशहरा से करीब चार से पांच दिन पहले देवालय से कुल्लू दशहरा मैदान के लिए रवाना हो गए हैं। इस बार बाह्य सराज से देवता शमशरी महादेव और जागेश्वर महादेव करीब दो दशक बाद दशहरा में आ रहे हैं।

कुछ अलग

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए।

देश दुनीया से

शोध और नवाचार में भारत की ऊंचाई

हाल ही में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा प्रकाशित ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2024 की रैंकिंग में 133 अर्थव्यवस्थाओं में भारत ने 39वां स्थान हासिल किया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जो भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। इस ऊंची रैंकिंग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वाइब्रेंट इनोवेटिव इकोसिस्टम की उपलब्धि बताया है। गौरतलब है कि जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है। भारत के प्रमुख शहर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई दुनिया के शीर्ष 100 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टरों में सूचीबद्ध हैं और भारत अमूर्त संपत्ति तीव्रता में वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है। जीआईआई 2024 के अनुसार, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, सिंगापुर और यूके दुनिया की सबसे अधिक नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं हैं, जबकि चीन, तुर्की, भारत, वियतनाम और फिलीपींस पिछले एक दशक में सबसे तेजी से ऊपर आने वाले देश हैं। यदि हम बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े अन्य वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों को भी देखें तो पाते हैं कि भारत इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी उद्योग मंडल 'यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स' के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के द्वारा जारी वैश्विक बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक 2024 में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर है। निःसंदेह शोध एवं नवाचार तथा बौद्धिक सम्पदा की दुनिया में भारत की रैंकिंग यह दर्शा रही है कि भारत इनोवेशन का हब बनता जा रहा है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे भारत कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है। विगत अगस्त माह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के खेतों में जाकर जारी की गई 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्मों से कृषि नवाचार का नया अध्याय लिखा गया है। निश्चित रूप से शोध एवं नवाचार के मद्देनजर भारत ने कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता जैसे विविध क्षेत्रों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही भारत में घरेलू कारोबार में सरलता, विदेशी निवेश जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। भारत की शोध एवं नवाचार ऊंचाई में अपार ज्ञान पूंजी, स्टार्टअप और यूनिकॉर्न, पेटेंट वृद्धि, घरेलू उद्योग विविधीकरण, हाइटेक विनिर्माण और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों के साथ-साथ अटल इनोवेशन मिशन ने भी अहम भूमिका निभाई है। भारत बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत स्वदेश में विकसित लगभग 130 करोड़ रुपए की लागत के तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए। मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया गया है। सुपरकंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर तैयार किए गए हैं। इन सुपरकंप्यूटरों को अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में लगाया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ होते हैं। इनके आधार पर किसी देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग-कारोबार शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारें भी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को ध्यान में रखकर अपने वैश्विक उद्योग-कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की डगर पर बढ़ती हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं।

> भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। इस ऊंची रैंकिंग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वाइब्रेंट इनोवेटिव इकोसिस्टम की उपलब्धि बताया है। गौरतलब है कि जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है।

आप का नजरीया

'रावण' आज भी जिंदा है...

सदियों से रावण मर रहा है। यह सिलसिला त्रेता युग से जारी है। हर साल भारत और दुनिया के कई हिस्सों में रावण समेत मेघनाद और कुंभकर्ण के भी पुतले जलाए जाते हैं। 'विजयादशमी' पर्व मनाया जाता है। अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत के जश्न दीपावली तक जारी रहते हैं। तसल्ली रहती है कि हमने धर्म, बुराई, राक्षसत्व, पापाचार, अत्याचार आदि का दहन कर दिया। उनका अस्तित्व ही मिटा दिया, लेकिन ये जश्न और सोच बाहरी और दिखावटी हैं। दरअसल रावण हमारे भीतर की कामनाओं और राक्षसत्व का ही प्रतीक है, लिहाजा बार-बार उसका दहन कर हम उल्लास और पर्व मनाते हैं। रावण ने साधु के वेश में माता सीता का अपहरण किया था, लेकिन उनकी पवित्रता और पतिव्रता स्वरूप को छुआ तक नहीं था। रावण ने अपहरण के जरिए अपनी नियति तय की थी। आज अपहरण ही नहीं, 3-4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाते हैं। उनके साथ बर्बरता की जाती है और अंततः उनकी हत्या भी कर दी जाती है। हमारे दौर की यह एक आम प्रवृत्ति बन गई है। ऐसे बलात्कारियों के भीतर कौनसा रावण बैठा है? रावण तो ऐसा नहीं था। वह प्रकांड पंडित, वेद-पुराण ज्ञाता, महापराक्रमी योद्धा, ब्रह्म-महादेव का अंतरंग भक्त, त्रिकालदर्शी आदि, न जाने क्या-क्या था, लेकिन उसे असुर, दैत्य, राक्षस समुदाय का माना गया। यह भी सवालिया है, क्योंकि रावण महान ऋषि विश्रवा और असुर कैकसी की संतान था, लिहाजा भारतीय सांस्कृतिक व्यवस्था के अनुसार, उसे किस वर्ण की संतान माना जाना चाहिए? बहरहाल हम रावण के ऐतिहासिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि को यहीं छोड़ते हैं। दरअसल हमारा सरोकार 'रावणत्व' भाव से है, जो कई शक्लों, किस्मों, नस्लों, दुर्भावनाओं, पापाचार, अत्याचारों आदि के रूप में आज भी जिंदा है। रावण का पार्थिव शरीर मारा जा चुका है, लेकिन उसके प्रतीक-स्वरूप पुतले आज भी जलाए जा रहे हैं। फिर भी रावण जिंदा है। हम जो आतंकवाद, अलगाववाद, धर्म और जातिवाद, नफरती हिंसा, नफरती राजनीति, नफरती आह्वान और सर कलम कर देने के फतवे आदि देख-सुन और महसूस कर रहे हैं, वे आखिर क्या हैं? वे 'रावणत्व' ही हैं। जो मानवीय भाव होने चाहिए, वे मर चुके हैं, लेकिन आज इनसान, दूसरे इनसान को, मार रहा है, राख कर रहा है, मानवता का ही हत्यारा बन चुका है। यह क्या है? बांग्लादेश में सरेआम जो कुछ हो रहा है, क्या उसका कोई बुनियादी कारण या तर्क है? कट्टरपंथ के उकसावे में आकर, कुछ कठमुल्लाओं के भडक़ाने पर, कथित मुसलमानों की एक जमात हिंदुओं की हत्या कर रही है। उनके पूजास्थलों को अपवित्र कर रही है, तोड़-फोड़ भी की जा रही है। इन हिंसक हरकतों का हासिल क्या है? बांग्लादेश के हालात के समानांतर भारत में प्रधानमंत्री मोदी, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सरसंघचालक मोहन भागवत को 'बंटेंगे, तो काटे जाएंगे' सरीखे बयान देने पड़े हैं। हिंदुओं के एकजुट होने के आह्वान किए जा रहे हैं। यह विभाजन क्या है? भारत में भी हिंदू-मुसलमान के आधार पर सियासत की जा रही है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में *राजस्थान इकोनॉमिक रिवाइवल टास्क फोर्स* का गठन

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में वित्त, आर्थिक प्रबंधन, बुनियादी ढांचे, कृषि और विकासात्मक आदि क्षेत्रों के विकास के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में *राजस्थान इकोनॉमिक रिवाइवल टास्क फोर्स* का गठन किया गया है। राज्य सरकार ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है। उप मुख्यमंत्री (वित्त) इस टास्क फोर्स के उपाध्यक्ष होंगे। उप मुख्यमंत्री (परिवहन व उच्च शिक्षा), उद्योग मंत्री, ऊर्जा मंत्री, कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन, प्रमुख शासन सचिव उद्योग, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी तथा शासन सचिव आयोजना इस टास्क फोर्स के सदस्य होंगे तथा शासन सचिव, वित्त (बजट) सदस्य सचिव होंगे। प्रशासनिक सुधार

विभाग के शासन उप सचिव अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि टास्क फोर्स में वित्त, आर्थिक प्रबंधन, बुनियादी ढांचे, कृषि और विकासात्मक क्षेत्रों से 5 विषय विशेषज्ञों को सदस्य के रूप में नामित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि टास्क फोर्स द्वारा प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों की पहचान, नीति निर्माण और कार्यान्वयन, कौशल विकास और शिक्षा, बुनियादी ढांचे का विकास, नवाचार और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा, एमएसएमई और स्टार्टअप को बढ़ावा, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत, हरित विकास को बढ़ावा देने सहित प्रदेश की आर्थिक व रोजगार वृद्धि जैसे विषयों के संबंध में अभिशंसाएं की जाएंगी। शर्मा ने बताया कि इस टास्क फोर्स का कार्यकाल 31 मार्च, 2028 तक रहेगा एवं इसकी बैठक वर्ष में कम से कम एक बार आयोजित की जाएगी एवं वित्त विभाग इसका प्रशासनिक विभाग रहेगा।

धान की खरीद न होने पर बिफरे किसानों ने लगाया जाम

जींद (हिंस)। सोमवार को नगूरां खरीद केंद्र पर पीआर धान की खरीद नहीं होने से गुस्साए किसानों व आढ़तियों ने जींद-कैथल मार्ग पर नगूरां पावर हाउस के सामने सड़क के बीचों-बीच ट्रैक्टर-ट्राली खड़ी कर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही नगूरां चौंकी प्रभारी नफे सिंह तथा अलेवा मार्केट कमेटी सचिव विकास ढिल्लों मौके पर पहुंचे तथा जाम लगा रहे किसानों तथा आढतियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान तथा आढ़ती मौके पर किसी बड़े अधिकारी के आने की जिद्द पर अड़े रहे। आखिरकार दो बजे के करीब अलेवा के बीडीपीओ अक्षयदीप चौहान जाम लगा रहे किसानों तथा आढ़तियों के बीच पहुंचे तथा डीएम संदीप पुनिया से किसानों तथा आढ़तियों की फोन पर बात करवा किसानों की समस्या का शाम तक समाधान करवाने का आश्वासन देकर करीब चार घंटे से लगे जाम को खुलवा दिया। जाम के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी लाइन लग गई। जाम लगा रहे किसानों का कहना था कि धान से नगूरां खरीद केंद्र पूरी तरह से भर चुका है, लेकिन प्रशासन धान खरीद करने में तेजी नहीं ला रहा है। नगूरां खरीद केंद्र पर 12 हजार क्विंटल के करीब धान की आवक हो चुकी है लेकिन केंद्र पर अलाट दोनों एजेंसियों ने अभी तक महज चार हजार क्विंटल धान की खरीद की है। पहले तो धान में नमी ज्यादा होने का बहाना बनाया जाता था, लेकिन अब की बार तो धान की फसल मानकों पर खरी उतर रही है। फिर भी जिला प्रशासन द्वारा धान की खरीद में किसी प्रकार की रूचि नहीं दिखाई जा रही है। सरकार ने एक बार तो नवनिर्वाचित विधायकों को मंडियों में उतार कर किसानों को कुछ हद तक खुश करने का प्रयास किया लेकिन विधायकों के कहने के बावजूद भी प्रशासन ने किसानों की फसल को एमएसपी पर नहीं खरीद कर औने-पौने दामों पर खरीदा जा रहा है। किसानों ने कहा कि एक अक्तूबर से नगूरां खरीद केंद्र पर धान की खरीद के लिए नजरें लगाए बैठे हैं, लेकिन केंद्र के चालू होने के करीब चौदह दिन बाद भी किसानों की अभी तक किसी प्रकार की धान की फसल नहीं खरीदी है। जिसके कारण किसानों तथा आढ़तियों में सरकार तथा जिला प्रशासन के खिलाफ रोष है। किसानों ने कहा कि चाहे तो जिला प्रशासन उनकी फसल की शाम तक खरीद शुरू करें अन्यथा किसान दुबारा से सड़क जाम करने पर मजबूर होगें।

शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई, आठ गिरफ्तार

फरीदाबाद (हिंस)। पुलिस ने शराब तस्करों पर नकेल कसते हुए आठ अलग-अलग मामलों में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में आकाश, जितेन्द्र, राहुल, मोहित, जुगल, रानी, सनोज कुमार और सूरज उर्फ लंबू का नाम शामिल है। गिरफ्तार सभी आरोपी फरीदाबाद, दिल्ली व पलवल एरिया के रहने वाले हैं। आकाश को 53 पव्वे देसी के साथ मिलन वाटिका सेक्टर-10 के एरिया से, सूरज उर्फ लंबू को गांव गौछी पार्ट 2 नीयर प्रताप गढ़ पुल एनआईटी एरिया से 48 अध्धा के साथ, सनोज कुमार को पाली क्रेशर जोन से 26 अध्धे सहित, महिला आरोपी रानी को गधा खोल फरीदाबाद एरिया से 60 पव्वा देसी के साथ, जुगल किशोर को तीन नंबर ईएसआई रोड से 52 पव्वा के साथ, मोहित को 50 पव्वो व 5 अध्धा के साथ, राहुल को 13 बोतल देसी के साथ सेक्टर-29 एरिया से और जितेन्द्र को 14 बोतल शराब देसी के साथ बाईपास रोड़ सेक्टर-8 एरिया से काबू किया है। सभी आरोपियो के खिलाफ संबंधित थानों में अवैध शराब तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

मां दुर्गा पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण (हिंस)। मां दुर्गा पर आपत्तिजनक टिपणी करने वाले एक शख्स को चकिया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यह आपत्तिजनक पोस्ट व वाक्यों को लिखा गया, जिसको लेकर एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अभियुक्त वीरेंद्र प्रसाद निराला की गिरफ्तारी की गई है। इस मामले को लेकर बजरंग दल से जुड़े मनीष कुमार ने चकिया थाने में आवेदन देते हुए इसके विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की थी। जिसको लेकर पुलिस कप्तान के निर्देश पर शीघ्र ही आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी चकिया सतेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि इस मामले में अन्य लोग भी चिन्हित किये जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर जिसने भी ऐसे सांप्रदायिक सौहार्द बिगाने वाला पोस्ट डाले हो या फिर लाइक, शेयर या कमेंट्स किया होगा उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपनाघर आश्रम करेगा बेसहारों का पुनर्वास, रेस्क्यू वाहनों को दिखाई हरी झंडी

बीकानेर (हिंस)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा मां माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपनाघर भरतपुर के संयुक्त तत्वावधान में आश्रयहीन, असहाय, बीमार, पीड़ित व्यक्तियों का पुनर्वास करवाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। अभियान से जुड़े रेस्क्यू वाहनों को जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने सोमवार को कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपनाघर आश्रम बीकानेर के अध्यक्ष अनंतवीर जैन ने बताया कि अपनाघर के मुख्य कार्यालय भरतपुर द्वारा पूरे राज्य में यह रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। मंदिरों के आसपास, सड़क के किनारे जीवनयापन करने वाले, पीबीएम अस्पताल में लाए गए लावारिस व आश्रयहीन, रेलवे स्टेशन व वाशिंग लाइनों पर मिलने वाले आश्रयहीन व्यक्तियों को अपनाघर आश्रमों में निःशुल्क आश्रय, चिकित्सा, भोजन एवं जीवनयापन की समस्त सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। यह सेवाएं अपनाघर आश्रम रानीबाजार, अपनाघर वृद्धाश्रम जयपुर रोड एवं अपनाघर आश्रम नोखा में प्रवेश दिलवा कर उपलब्ध कराई जाएंगी।

कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा से दिया इस्तीफा

चंडीगढ़ (हिंस)। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद इसराना के विधायक कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया है। पंवार ने सोमवार को राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात करके इस्तीफा सौंपा। कृष्ण लाल पंवार पहले भी मनोहर सरकार में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। पंवार का बतौर राज्यसभा सदस्य कार्यकाल वर्ष 2029 तक है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान पंवार ने इसराना विधानसभा हल्के से कांग्रेस के बलबीर वाल्मीकि को 13578 वोटों से हराया था। माना जा रहा है की पंवार को दोबारा भाजपा सरकार में मंत्री बनाया जा सकता है। इन्हीं अटकलों के बीच कृष्ण लाल पंवार ने सोमवार को राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया।

जेएलएन अस्पताल के रेजीडेंट डॉक्टरों ने किया दो घंटे कार्य बहिष्कार

अजमेर (हिंस)। अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के रेजीडेंट चिकित्सकों ने सोमवार सुबह 9 से 11 बजे दो घंटे कार्य का बहिष्कार कर राज्य सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया। रेजीडेंट डॉक्टरों ने कोलकाता के आरजी हॉस्पिटल के चिकित्सकों की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ लड़ाई का भी समर्थन किया। जेएलएन अस्पताल के रेजीडेंट डॉक्टर्स प्रतिनिधि डॉ. दिलराज मीणा ने बताया कि उन्होंने केंद्र व राज्य व्यापी आह्वान पर सोमवार को दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार से 50 दिन पूर्व जो भी समझौता हुआ था राज्य सरकार ने अभी तक उनमें से किसी पर भी अमल नहीं किया है। डॉ. मीणा ने बताया कि उनकी मांगों में चिकित्सकों की सुरक्षा, स्टाइपेण्ड, तनख्वाह, साफ-सफाई, विभिन्न 12 विषयों में जेएस और एसएस की पोस्ट क्रिएट करने आदि शामिल हैं। सरकार ने पूर्व में जब समझौता किया था उसे आज तक लागू नहीं किया। प्रदेश के रेजीडेंट डॉक्टरों ने इस सरकार की वादा खिलाफी करार दिया है और आगे आंदोलन करने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ रेप और हत्या के मामले में भी वहां की ममता बनर्जी सरकार ने वादाखिलाफी की है।

अवैध कालोनी में प्रशासन ने चलाया पीला पंजा

रोहतक (हिंस)। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि जिला नगर योजनाकार कार्यालय द्वारा रोहतक नियन्त्रित एवं शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से किये जा रहे निर्माणों व कालोनियों को गिराने का अभियान चलाया गया। इस अभियान में रोहतक-हिसार आउटर बाईपास पर गांव मायना में दो अवैध कॉलोनियों को तोड़ा गया, जिसमें दो निर्माणाधीन भवन, पांच डीपीसी, आठ बिजली खंभे, डब्ल्यूबीएम रोड नेटवर्क, कच्चा रोड नेटवर्क कुल लगभग 14.11 एकड़ को तोड़ा गया। इस तोड़-फोड़ की कार्यवाही में जिला नगर योजनाकार कार्यालय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस बल तोड़ फोड़ अमले के साथ मौजूद रहा। जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने कहा कि अपनी जीवन की पूंजी अवैध निर्माणों में या डीलर व भू-मालिकों के द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनियों में निवेश न करें।

सड़क हादसे में चार छात्र छात्राओं सहित पांच की मौत

कानपुर (हिंस)। पनकी थाना क्षेत्र में भौती के पास हाईवे पर सोमवार को ट्रक और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कार चालक के अलावा दो यवक और दो युवतियां थीं, जो एक इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थी थे। हादसे की सूचना पर पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त कीं। घटना के संबंध में पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पनकी थाना क्षेत्र में भौती मोहल्ले के पास हाईवे पर सोमवार को दो ट्रकों के बीच में कार फंसने के बाद हाईवे पर पलट गई। इस दुर्घटना में प्राण वीर सिंह इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (पीएसआईटी) के कंप्यूटर साइंस प्रथम वर्ष की छात्रा आयूषी पटेल, तृतीय वर्ष की छात्रा गरिमा त्रिपाठी, चतुर्थ वर्ष के छात्र प्रतीक सिंह और तृतीय वर्ष का छात्र सतीश के अलावा कार चालक सनिगवां निवासी विजय कुमार साहू की मौत हो गई है। जानकारी मिली कि एक ट्रक आगे था और दूसरा ट्रक पीछे दोनों ट्रकों के बीच में कार थी। आसपास के लोगों ने बताया कि बेकाबू ट्रक ने कार में पीछे से टक्कर मार दिया, जिससे कार अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई और क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कानपुर जिले में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय दल राजस्थान के दौरे पर, केंद्र सरकार की योजनाओं की करेगा समीक्षा

जयपुर (हिंस)। पशुपालन विभाग के सचिव डॉ. समित शर्मा ने जयपुर स्थित राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड के सभागार में पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी), भारत सरकार द्वारा राजस्थान राज्य में संचालित विभिन्न योजनाओं के मूल्यांकन के लिए आये राष्ट्रीय स्तर के मॉनिटर्स (एनएलएम) के साथ सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान कहा कि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक पहुंचे, तभी हम अपने उद्देश्य में कामयाब होंगे। बैठक का उद्देश्य भारत सरकार के पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, विशेषकर राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम), राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम), राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) और पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) से जुड़े राज्य के पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ बातचीत करना था। यह ब्रीफिंग सत्र एनएलएम के एक सप्ताह के क्षेत्र दौरे का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राज्य में परियोजनाओं के कार्यान्वयन की

निगरानी करना है। इस बैठक का आयोजन कार्यक्रमों और उनके उद्देश्यों की समग्र समझ प्रदान करने के लिए किया गया, जिससे एनएलएम योजनाओं के कार्यान्वयन का मूल्यांकन कर सकें। पशुपालन विभाग एवं पशुधन विकास बोर्ड के अधिकारियों ने आरजीएम, एनएलएम, एनपीडीडी और एलएचडीसीपी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजना की वर्तमान स्थिति, आउटपुट और चुनौतियों आदि के विषय में जानकारी दी गई। सोमवार के सत्र के बाद, राष्ट्रीय स्तर के मॉनिटर्स (एनएलएम) द्वारा मंगलवार से राज्य के चार जिलों जोधपुर, कोटा, अलवर एवं सीकर में भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन से सम्बन्धित तमाम जानकारी का आंकलन करेंगे। जिलों में भ्रमण के दौरान स्थानीय पशुपालकों से चर्चा कर उनकी आवश्यकताओं एवं संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में भी सुझाव प्राप्त करेगे। इसके पश्चात 19 अक्तूबर को जयपुर में पुनः बैठक आयोजित की जायेगी। इस आकलन के बाद, एनएलएम एक विस्तृत रिपोर्ट डीएएचडी को प्रस्तुत करेंगे, जिससे पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और कुशल कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके, ताकि निर्धारिते लक्ष्य को पूरा करते हुए प्रदेश पशुपालकों को सशक्त बनाया जा सकें। इस सत्र की अध्यक्षता सचिव, पशुपालन, गोपालन और मत्स्य विभाग डॉ. समित शर्मा ने की। राष्ट्रीय दल में जगत हजारीका, आईएफएस, सलाहकार (सांख्यिकी), वीपी सिंह, निदेशक, सीआर मीना, उप निदेशक, डॉ. मंजूनाथ, डॉ. सुनील शिवाजीराव तथा डॉ. माधवा राव थींथम और मुकेश दत्त शर्मा, सहायक निदेशक, पशुपालन सांख्यिकी प्रभाग, डीएएचडी, भारत सरकार सहित डॉ. भवानी सिंह राठौड़ निदेशक, पशुपालन विभाग, डॉ. आनन्द सेजरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड सहित समस्त योजना प्रभारी उपस्थित थे।

यूपी में अराजक तत्व फिर सिर उठाने लगे, सरकार सख्ती बरते : स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती

वाराणसी (हिंस)। काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने बहराइच जिले की घटना पर चिंता जताई है। स्वामी नरेंद्रानंद ने कहा कि प्रदेश में अराजक सांप्रदायिक तत्व फिर सिर उठाने लगे हैं। ऐसे में सरकार और खुफिया तंत्र के साथ संवेदनशील इलाके में जिला प्रशासन को सतर्क रहने की जरूरत है। बहराइच की घटना की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। इस घटना में शामिल अराजक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाही के साथ उनके घरों पर बुलडोजर चलनी चाहिए। जब तक सरकार मजबूत इच्छाशक्ति नही दिखायेगी ऐसी घटनाओं पर लगाम नही लग पाएगा। शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद ने कहा कि पिछले काफी समय से प्रदेश में शांति बनी हुई थी। अराजक तत्वों को प्रदेश में शांति भा नही रही हैं । एक बार फिर वे प्रदेश में अराजकता फैलाना चाहते है। ऐसे में इन तत्वों की पहचान कर सरकार कठोर कार्रवाही करें। आमजन भी ऐसे लोगों के खिलाफ मुखर हो। गौरतलब हो कि बहराइच के महासी महाराजगंज इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान गोली लगने से एक युवक की मौत पर लोग जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे

हैं। इस घटना को लेकर प्रदेश सरकार ने भी सख्त रूख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के गृह सचिव, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर मौके पर पहुंच गए है। इस मामले में अब तक 30 उपद्रवी हिरासत में लिए जा चुके हैं। हिंसा की घटना पर काबू पाने के लिए 06 कंपनी पीएसी के साथ 4 एसपी रैंक के अफसर, दो एडिशनल एसपी, 6 सीओ, एक कंपनी आरएएफ को बहराइच भेजा गया है।

एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी (महिला) गौरव यात्रा को मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एक अणे मार्ग में आयोजित समारोह में हरी झंडी दिखाकर एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी (महिला) गौरव यात्रा को रवाना किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पहले ट्रॉफी का अनावरण किया। इसके पश्चात गौरव यात्रा के बस में साथ जाने वाली एकलव्य स्पोर्ट्स स्कूल की बच्चियों को मुख्यमंत्री ने ट्रॉफी सौंपा। मुख्यमंत्री ने हॉकी गौरव यात्रा के लिए तैयार की गयी बस का मुआयना किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर बस को विदा कर यात्रा का शुभारंभ किया। बिहार में पहली बार 11 नवंबर से 20 नवंबर तक आयोजित होनेवाली अंतर्राष्ट्रीय *विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2024* के संदर्भ में ट्रॉफी गौरव यात्रा 14 अक्तूबर से 10 नवंबर तक निकाली जा रही है, जो हरियाणा, पंजाब, ओडिशा और झारखंड राज्यों के अलावा बिहार के सभी 38 जिलों से होकर गुजरेगी। विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की महिला हॉकी टीम हिस्सा ले रही हैं। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय राजगीर खेल परिसर के हॉकी ग्राउंड में प्रतियोगिता के सभी मैच खेले जाएंगे। भारत 2023 का विजेता है। इसलिए ट्रॉफी भारत के पास ही है, जो हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। ट्रॉफी गौरव यात्रा का उद्देश्य राज्य में खेल संस्कृति का विकास और खेल के क्षेत्र में राज्य की महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ भारत के राष्ट्रीय खेल हॉकी के गौरव के प्रति लोगों को जागरूक कर पहली बार बिहार में होनेवाली इस प्रतियोगिता को सफल बनाना है। जहां-जहां ट्रॉफी गौरव यात्रा पहुंचेगी वहां स्थानीय प्रशासन के सहयोग से वहां ट्रॉफी के स्वागत और सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि बिहार में पहली बार होने वाली इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता को सफल बनाने में सबकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 29 अगस्त को राजगीर खेल परिसर में अंतर्राष्ट्रीय खेल अकादमी और एस्ट्रो टर्फ हॉकी ग्राउंड का उद्घाटन किया था और 5 अक्तूबर को विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के शुभंकर और लोगों का अनावरण भी किया था।

दुबई में *थैंक यू मोदी, थैंक यू योगी* के नारे से गूंज उठा यूपी डायस्पोरा : प्रवासी

निवेशकों ने यूपी की विकास गाथा सुन पीएम मोदी व यूपी के सीएम योगी के मॉडल की जमकर की तारीफ

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत डबल इंजन की सरकार ने दुबई में प्रवासी निवेशकों के बीच उत्तर प्रदेश में निवेश करने की दिशा में एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। योगी के विजन और क्रियान्वयन की सफलताओं का दुबई साक्षी बना और इस दिशा में दुबई के इंडिया क्लब में इन्वेस्ट यूपी और यूपी डायस्पोरा की ओर से आयोजित यूपी डायस्पोरा इन्वेस्टर मीट एक बड़ा माध्यम साबित हुआ। इस कार्यक्रम में निवेशकों ने प्रदेश के कई क्षेत्रों में निवेश करने को लेकर रुचि दिखाई। इरफान इजहार ने अलीगढ़ में रिजॉर्ट तो युसूफ खान ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लॉजिस्टिक्स में निवेश की इच्छा दिखाई। वहीं राजेश अग्रवाल ने पुरखों के नाम अपनी पुश्तैनी जमीन हॉस्पिटल हेतु दान करने की इच्छा जाहिर की। इसके साथ ही, दुबई के मदीना ग्रुप ने यूपी से फल सब्जियों के लिए यूपी में सेंटर खोलने में अपनी रुचि प्रकट की। सरकार की तरफ से दी गयी जानकारी के मुताबिक इन्वेस्टर मीट के बाद इरानियन स्पोर्ट कांप्लेक्स में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में डबल इंजन सरकार की नीतियों और योगी सरकार की 25 से अधिक सेक्टोरल

पॉलिसीज को प्रमोट किया। इस दौरान हजार से ज्यादा यूपी के प्रवासी उत्तर प्रदेश की विकासगाथा को सुनकर उत्साहित हो उठे और आयोजन स्थल *थैंक यू मोदी, थैंक यू योगी* के नारे से गुंजायमान हो उठा। यूपी डायस्पोरा को मिला प्रदेश भ्रमण का निमंत्रण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उपलब्ध कराए गए मेक इन इंडिया के अवसरों, इंफ्रा एवं उनके द्वारा स्टांप विभाग में अनिवासियों की सुविधा के लिए उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस विषय में इंफ्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और इन्वेस्टमेंट के अवसर पर शॉर्ट फिल्म का मंचन भी किया गया। विभिन्न विषयों पर पीपीटी के माध्यम से प्रजंटेशन भी प्रस्तुत किए गए। उत्तर प्रदेश के सिंगल विंडो सिस्टम व इन्वेस्ट यूपी के प्रयासों से संबंधित पीपीटी प्रजंटेशन भी दिया गया। कार्यक्रम में दुबई के यूपी डायस्पोरा को अपने पूरे ग्रुप के साथ एक बार काशी, मथुरा, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज भ्रमण कर आकर देखने का न्योता भी दिया गया, ताकि वह यहां पर आकर देश-विदेश के लोगों में उत्तर प्रदेश को मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर प्रोजेक्ट कर सकें। लोक गायक दीपक त्रिपाठी के गीतों व कंचन अवस्थी के नृत्य ने बांधा समां कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी के विजन अनुसार, यूपीडीएफ के दुबई कल्चरल फोरम ने दुबई में सफल भारतीय एवं उत्तर प्रदेश के सफल प्रवासियों पर जो दुबई में रहकर देश-दुनिया में सफलता का परचम लहरा रहे हैं, उनके संघर्षों और सफलता पर एक-एक किताब संग्रह निकालने की घोषणा की, ताकि भारत के युवा उद्यमी उनके इस साझा किये गए संघर्षों और अनुभवों से काफी कुछ सीख सकें। सांस्कृतिक कार्यक्रम में लखनऊ से आये लोक गायक दीपक त्रिपाठी के गानों और यूपी की कंचन अवस्थी नृत्य पर पूरा हाल झूम उठा। कार्यक्रम में मथुरा के चार्टर्ड अकाउंटेंट और वर्तमान में यूपी डायस्पोरा यूपी कनेक्ट के महसचिव साहित्य चतुर्वेदी नेतृत्व में मथुरा के कलाकारों द्वारा भव्य रामलीला का आयोजन भी हुआ। दुबई में यूपी कनेक्ट के चेयरमैन डॉ. राजेश अग्रवाल, वाईस चेयरमैन चंद्रशेखर भाटिया, नदीम जैदी और हुमैर सिद्दीकी उपस्थित रहे।

शक्तिकांत दास ने धन प्रेषण की लागत और समय कम करने की वकालत की

नई दिल्ली।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को विदेश से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ये अत्यंत महत्वपूर्ण है। दास ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने नई दिल्लीं में 'सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स' विषय पर आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण शुरुआती बिंदु है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि ऐसे धन प्रेषणों की लागत और समय को कम करने की अपार संभावनाएं हैं।

शक्तिकांत दास ने कहा कि इसके अलावा डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं। दास ने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक और क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा-पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है।

आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे साइबर हमले और डेटा उल्लंघन की घटनाएं बढ़ सकती हैं। शक्तिकांत दास ने कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम शमन उपाय करने चाहिए। अंतिम विश्लेषण में, बैंकों को एआई और बिगटेक के लाभों का लाभ उठाना चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

थोक महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल की वजह से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर सितंबर महीने में 1.84 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त महीने में यह 1.31 फीसदी थी। सितंबर 2023 में थोक महंगाई दर 0.26 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सितंबर महीने में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने अगस्त में यह दर घटकर 1.31 फीसदी पर आ गई थी। जुलाई में थोक महंगाई दर 2.04 फीसदी रही थी। मंत्रालय ने कहा कि सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम बढ़ने की वजह से थोक महंगाई दर बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों की कीमतें सितंबर महीने में बढ़कर 9.47 फीसदी हो गई है, जबकि अगस्त में यह 3.26 फीसदी रही थी। हालांकि, सितंबर में ईंधन और बिजली की कीमतों में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है, जबकि पिछले महीने यह 0.67 फीसदी थी। वहीं, थोक मूल्य सूचकांक के प्राइमरी आर्टिकल की सलाना मुद्रास्फीति दर बढ़कर 6.59 फीसदी हो गई है, जो अगस्त में 2.42 फीसदी रही थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की थोक महंगाई दर 1.22 फीसदी से घटकर एक फीसदी पर आ गई है ।

सीसीपीए ने ओला को रिफंड के विकल्प और रसीद देने का आदेश दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनी ओला को उपभोक्ता अनुकूल बदलाव लागू करने का निर्देश दिया है। इस आदेश में रिफंड के विकल्प देना और 'ऑटो राइड' के लिए रसीदें देना भी शामिल है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सीसीपीए ने राइड हेलिंग प्लेटफॉर्म यानी टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनी ओला को रिफंड मोड के संबंध में उपभोक्ताओं को विकल्प मुहैया करने के लिए तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया है। नियामक ने साथ ही ओला को अपने प्लेटफॉर्म मंच के जरिए बुक की गई सभी 'ऑटो राइड' के लिए बिल जारी करने का आदेश भी दिया है। मंत्रालय के मुताबिक प्राधिकरण की मुख्य आयुक्त निधि खरे के नेतृत्व में सीसीपीए ने यह पाया कि ओला की रिफंड नीति में केवल भविष्य की राइड के लिए कूपन कोड दिए गए थे, जबकि उपभोक्ताओं को बैंक खाते में रिफंड का विकल्प भी नहीं दिया गया था। सीसीपीए ने ओला को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को रिफंड का अपना पसंदीदा तरीका चुनने की अनुमति देने वाला तंत्र लागू करे। सीसीपीए ने उपभोक्ताओं को रिफंड सीधे उनके बैंक खाते में या कूपन के माध्यम से करने का विकल्प देने का आदेश दिया है। इसके साथ ही ओला को निर्देश दिया गया है कि वह अपने प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से बुक की गई सभी ऑटो राइड के लिए उपभोक्ताओं को बिल या रसीद या चालान प्रदान करे, ताकि इसकी सेवाओं में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

एलआईसी ने पॉलिसी के नियम बदले, योजना में एंट्री उम्र घटाई!

नई दिल्ली । देश की प्रमुख बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने न्यू एंडोमेंट प्लान में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब इस योजना में एंट्री की उम्र 55 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष कर दी गई है, जो उम्रदराज लोगों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके अलावा प्रीमियम में भी वृद्धि की गई है, जो कि 1 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ मृत्यु की संभावना के कारण कंपनी अपने जोखिम को कम करना चाहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने नए सरेंडर नियम भी लागू किए हैं। एलआईसी का न्यू एंडोमेंट प्लान-914 न सिर्फ आपको सुरक्षा कवर देता है बल्कि यह सेविंग प्लान भी है।

आईपीओ लॉन्च होने के पहले ग्रे मार्केट में हुंडई की घटी चमक, 570 से घट कर 60 रुपये के स्तर पर आया प्रीमियम

नई दिल्ली।
हुंडई मोटर इंडिया कल भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करने वाली है। इस आईपीओ का निवेशकों को लंबे समय से इंतजार है। 15 से 17 अक्टूबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने वाले इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने 27,870 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस इश्यू के लिए 1,865 से 1,960 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। माना जा रहा है कि इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल सकता है। हालांकि ग्रे मार्केट में इस आईपीओ की चमक गिरती जा रही है। इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम में लगातार गिरावट आई है। हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ ने फाइनल होने के बाद ग्रे मार्केट में जबरदस्त मजबूती के साथ ट्रेड करना शुरू किया था। ग्रे मार्केट में हुंडई मोटर के शेयर ने 470 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड करना शुरू किया और सिर्फ 24 घंटे में ही इसका प्रीमियम बढ़कर 570 रुपये हो गया। उम्मीद की जा रही थी कि हुंडई मोटर के शेयर का ग्रे मार्केट में प्रीमियम 750 रुपये तक जा सकता है, लेकिन 570 रुपये के स्तर से ही इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम में गिरावट आनी शुरू हो गई। अब हुंडई मोटर का आईपीओ लांच होने में सिर्फ एक दिन बाकी है, तब ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम घट कर 60 रुपये के स्तर पर आ गया है। ग्रे मार्केट के मौजूदा प्रीमियम को ही अगर अंतिम मान लिया जाए, तो शेयर मार्केट में हुंडई मोटर के शेयरों की लिस्टिंग इसके अपर प्राइस बैंड में 60 रुपये जोड़ कर 2,020 रुपये के स्तर पर हो सकती है। ऐसा होने पर आईपीओ निवेशकों को 3 प्रतिशत के करीब लिस्टिंग गेन हो सकता है। हालांकि ग्रे मार्केट के प्रीमियम को सिर्फ एक संकेत मानना चाहिए, क्योंकि ग्रे मार्केट की स्थिति लगातार बदलती है, जिससे प्रीमियम के स्तर में भी बदलाव होते रहता है। उल्लेखनीय कि हुंडई मोटर का आईपीओ कल लांच होने वाला है, लेकिन उसके पहले एंकर इन्वेस्टर्स के लिए ये आईपीओ ओपन हो जाएगा। एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 8,315.28 करोड़ रुपये के शेयर रिजर्व किए गए हैं। एंकर इन्वेस्टर्स के अलावा दूसरे इन्वेस्टर्स हुंडई मोटर के आईपीओ में 15 अक्टूबर यानी कल से 7 शेयर के लॉट में बोली लगा सकते हैं।

जेरोधा को-फाउंडर्स ने अत्यधिक नियमों पर जताई चिंता

नई दिल्ली । भारत की तीसरी सबसे बड़ी स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी ज़ेरोधा के को-फाउंडर्स नितिन और निखिल कामथ देश में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स, नियामकों और सरकार से आपस में मिलकर काम करने का आग्रह कर रहे हैं। कामथ बंधुओं ने ज़ेरोधा के बेंगलुरु ऑफिस में चर्चा करते हुए देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में आए पॉजिटिव बदलावों को सराहा मगर इसके साथ ही दोनों ने चेतावनी दी कि अत्यधिक नियम विकास में बाधा डाल सकते हैं और उद्यमिता को हतोत्साहित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में कामथ बंधुओं के अलावा ज़ेरोधा के मुख्य तकनीकी अधिकारी कैलाश नाध भी शामिल थे। निखिल कामथ ने स्टार्टअप इकोसिस्टम के भीतर अनिश्चितता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने उद्यमियों और नियामकों के बीच सहयोगात्मक संबंध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा ?कि हम ऐसे नियामकों के अधीन हैं जिनके साथ हमारा कोई प्रभाव या उनके फैसलों तक पहुंच नहीं है। वे एक दिन में हमारी आय को 50 प्रतिशत तक घटा सकते हैं। वे हमें बंद कर सकते हैं। हालांकि, कामथ ने यह भी माना कि नियामकों ने सिस्टम को मजबूत बनाया है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि हद से ज्यादा कायदे-कानून इनोवेशन को दबा सकते हैं। कामथ ने उदाहरण देते हुए कहा ?कि एक कक्षा में जहां 50 बच्चे हों और शिक्षक मनमाने तरीके से नियम बनाए और बच्चों को डांटे, क्या उन बच्चों में इनोवेशन की भावना उत्पन्न होगी जो डर के माहौल में जी रहे हैं? शायद नहीं। नितिन कामथ ने भी अपने भाई की चिंताओं को दोहराया और बताया कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के नए नियम ज़ेरोधा की रेवेन्यू ग्रोथ को धीमा कर सकते हैं। उन्होंने सेबी के टू-टू-लेबल सर्कुलर का उदाहरण दिया कि कैसे नियम उनकी गतिविधियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने विभिन्न शहरों में आठ खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र खोले

नई दिल्ली।
सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज मंजूरी प्रक्रिया को बेहतर बनाने और इसमें लगने वाले समय को कम करने के लिए विभिन्न शहरों में खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र शुरू किया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि कुल आठ खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र (आरएलपीसी) खोले गये हैं। इसमें से चेन्नई में एक केंद्र का भौतिक रूप से उद्घाटन किया गया, जबकि सात अन्य आरएलपीसी विभिन्न शहरों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुरू किए गए। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारे नए खुदरा कर्ज प्रसंस्करण केंद्र सिर्फ सुविधा के बारे में नहीं हैं। यह एक स्मार्ट, ज्यादा लचीला बैंकिंग ढांचा बनाने के बारे में है। डिजिटल उपकरण और उन्नत आंकड़ों का इस्तेमाल करके हम मजबूत जोखिम प्रबंधन सुनिश्चित कर रहे हैं और साथ ही कर्ज प्रसंस्करण समय को भी काफी कम कर रहे हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि खुदरा ऋण प्रसंस्करण केंद्र को ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, समय को कम करने और खुदरा ग्राहकों को तीव्र और अधिक कुशल सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजायन किया गया है। इंडियन ओवरसीज बैंक ने बेंगलुरु, कोयंबटूर, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में खुदरा कर्ज प्रसंस्करण केंद्र शुरू किया है। प्रत्येक केंद्र डिजिटल प्रौद्योगिकियों और स्वचालन क्षमताओं से लैस है, जिससे त्वरित ऋण स्वीकृति सुनिश्चित होती है। ये सुविधाएं वित्तीय पहुंच को बढ़ाने और खुदरा क्षेत्र में बैंक की वृद्धि रणनीति का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बैंक ने शहर के लोकप्रिय स्थलों में से एक पुरात्ची थलाइवर डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर अपने एटीएम कियोस्क भी शुरू किया। उन्होंने कहा कि यह एटीएम महज एक सेवा केंद्र नहीं है, यह परंपरा के साथ नवाचार के सम्मिश्रण के प्रति आईओबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कच्चे तेल में गिरावट का रुख पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली।

इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.92 डॉलर यानी 1.16 फीसदी की गिरावट के साथ 78.12 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.90 डॉलर यानी 1.19 फीसदी लुढ़ककर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट नजर आ रही है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,810 रुपये से लेकर 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये से लेकर 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में भी मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी मामूली गिरावट की वजह से सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी खरीदारी का जोर

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में तेजी का रुख बना रहा था। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,815.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.33 प्रतिशत उछल कर 18,342.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,842.33 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,253.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,577.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 162.93 अंक यानी 0.84 प्रतिशत उछल कर 19,373.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,100 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.41 प्रतिशत टूट कर 21,164.93 अंक तक लुढ़क गया है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,588.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,992.79 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,621.90 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,562.73 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.63 प्रतिशत उछल कर 3,271.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कलारीपयट्टू एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बने नीरज सिंह, महासचिव प्रवीण गर्ग

लखनऊ।
यूपी कलारीपयट्टू एसोसिएशन की स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग पदाधिकारियों चुनाव हुआ, जिसमें भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष और प्रवीण गर्ग को महासचिव चुना गया। संजय सारस्वत को एडवाइजरी कमिटी का चेयरमैन बनाया गया। अध्यक्ष निर्वाचित होने के उपरांत नीरज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त और %मदर आफ मार्शल आर्ट% के रूप में विश्व विख्यात स्वदेशी खेल कलारीपयट्टू के प्रचार प्रसार के लिए हर संभव योगदान प्रदान करूंगा।

प्रदेश कमेटी के अन्य निर्वाचित सदस्यों में सेंट जोसेफ स्कूल के डायरेक्टर अनिल अग्रवाल, आनंदी मैजिक वर्ल्ड डायरेक्टर राहुल गुप्ता, एसआर इंस्टीट्यूट डायरेक्टर पीयूष सिंह चौहान को उपाध्यक्ष, अंशु माली शर्मा और भगवत पटेल, अनिमेष सक्सेना को वाइस चेयरमैन, प्रियंका अग्रवाल सीईओ, प्रमोशन एंड डेवलपमेंट कमेटी चेयरमैन राजीव श्रीवास्तव, अपर्णा मिश्रा को वाइस चेयरमैन, सौम्य गर्ग को कार्यकारी सचिव, मुस्तकीम अंसारी, वैभव कुमार, धर्मेंद्र सिंह को संयुक्त सचिव, नितेश सिंह को टेक्निकल चेयरमैन, मानसी जयसवाल टेक्निकल सेक्रेटरी, मनीष निगम, शिवंम मित्तल, हेमंत दीक्षित, प्रशांत सिंह, सागर सोनी, राजीव रंजन, बलविंदर सिंह, रचित अग्रवाल, निखिल सिंह, राजपाल यादव, निधि सिंह को चुनाव रिटर्निंग अफसर के रूप में उपस्थित हाई कोर्ट एडवोकेट रोहित पवार ने कार्यकारी सदस्य घोषित किया। यूपी ओलंपिक संघ से आब्जर्वर के रूप में मनीष कक्कड़ उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने अपनी सभी विद्यालयों में खेल प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की घोषणा की। संजय सारस्वत ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा स्वदेशी खेलों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से खेल व खिलाड़ियों को लाभ प्रदान कराए जाने के सुझाव दिए।

यह बता दें कि कलारीपयट्टू 2000 साल पुरानी एक मार्शल आर्ट है जिसका इस्तेमाल आत्मरक्षा के लिए किया जाता है। यह मार्शल आर्ट फॉर्म शेर और बाघ जैसे जंगली जानवरों की कच्ची शक्ति, राजसी ताकत और अंतर्निहित लड़ाई तकनीकों से प्रेरणा लेता है। हम कथकली जैसे नृत्य रूपों में भी कलारीपयट्टू का प्रभाव देख सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

एसीसी पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के लिए भारतीय ए टीम घोषित, तिलक वर्मा होंगे कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने मस्कट, ओमान में 18 से 27 अक्टूबर 2024 तक खेले जाने वाले आगामी एसीसी पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के लिए सोमवार को भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। बल्लेबाज तिलक वर्मा को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि अभिषेक शर्मा टीम के उप कप्तान होंगे। भारत ए को ग्रुप बी में ओमान, पाकिस्तान ए और यूएई के साथ रखा गया है जबकि अफगानिस्तान ए, बांग्लादेश ए, हांगकांग और श्रीलंका ए को ग्रुप ए में रखा गया है। भारत ए 19 अक्टूबर, 2024 को ओमान के मस्कट में क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में पाकिस्तान ए के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद भारत 21 अक्टूबर को यूएई और 23 अक्टूबर को ओमान से भिड़ेगी। भारत ए की टीम इस प्रकार है: तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा (उपकप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, रमनदीप सिंह, नेहल वढेरा, आयुष बदोनी, अनुज रावत (विकेटकीपर), साई किशोर, रितिक शौकीन, राहुल चाहर, वैभव अरोरा, अंशुल कंबोज, आकिब खान, रसिक सलाम।

कैमरन ग्रीन के पीठ की होगी सर्जरी, भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की रीढ़ की हड्डी में तनाव फ्रैक्चर के लिए सर्जरी होगी, जिससे वह भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। टीम के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, रिकवरी का समय लगभग छह महीने होने का अनुमान है। सर्जरी के लिए आगे बढ़ने का फैसला कैमरनके एक ऑलराउंडर के रूप में दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ग्रीन को इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर का पता चला था, जिससे भारत के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा था कि ग्रीन इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों से सर्जरी करवानी चाहिए, जिन्होंने पहले भी तेज गेंदबाजों की मदद की है। विकल्प यह था कि सर्जरी के बिना ही उन्हें ठीक किया जाए और ग्रीन को भारत सीरीज में केवल बल्लेबाज के रूप में खेलने दिया जाए। हालांकि, ग्रीन की स्थिति अधिक जटिल थी, इसलिए सर्जरी बेहतर थी।

नेपाल के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए यूएसए टीम घोषित, अली खान की वापसी, टेलर बाहर

न्यूयॉर्क। पूर्व कप्तान स्टीवन टेलर को इस सप्ताह के अंत में नेपाल के खिलाफ होने वाली टी20आई सीरीज के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है, वहीं तेज गेंदबाज अली खान की वापसी हुई है। 31 वर्षीय टेलर, विश्व कप और नीदरलैंड में 50 ओवर की सीरीज में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। वह नीदरलैंड में टी20आई टीम का हिस्सा थे, लेकिन सीरीज से पहले एकदिनी श्रृंखला में चोट लगने के बाद उन्हें आराम दिया गया था। विश्व कप के बाद से अपनी पिछली 7 पारियों में 13 की औसत से रन बनाने वाले नीतीश कुमार को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया। कनाडा के पूर्व कप्तान, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप में टीम की अगुवाई की थी, ने भारत के खिलाफ 27 रनों की प्रभावशाली पारी के बाद अपना फॉर्म खो दिया। समित पटेल एक बार फिर कमर की चोट के कारण छह सप्ताह तक खेल से बाहर रहेंगे, जिससे वह टी20 सीरीज के बाद 50 ओवर की त्रिकोणीय सीरीज से भी बाहर हो जाएंगे। हालांकि यूएसए अपने करिश्माई तेज गेंदबाज अली खान से उत्साहित होगा। 33 वर्षीय खिलाड़ी नीदरलैंड दौरे को छोड़ने और पैर की चोट के कारण एक्शन से बाहर रहने के बाद विश्व कप के बाद पहली बार यूएसए की टीम में खेलने के लिए तैयार है, जिसके कारण उन्हें ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ सीपीएल सीजन से बाहर होना पड़ा। एरॉन जोन्स नामीबिया दौरे के बजाय यूएसए के साथ सेंट लूसिया किंग्स के लिए सीपीएल में खेलने को प्राथमिकता देने के बाद फिर से टीम में शामिल हो गए हैं।

महिला एचआईएल : ऐतिहासिक नीलामी के लिए 350 से अधिक खिलाड़ी तैयार

एचआईएल नीलामी भारतीय महिला हॉकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली।
सात साल के अंतराल के बाद, बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 एक विस्तारित प्रारूप के साथ शानदार वापसी कर रही है, जिसमें पुरुष और पहली बार एक विशेष महिला लीग दोनों शामिल हैं। मंगलवार को होने वाली ऐतिहासिक महिला नीलामी हॉकी की दुनिया में एक प्रमुख मील का पत्थर है, जो खेल के विकास और महिला हॉकी की बढ़ती प्रमुखता को प्रदर्शित करती है।

एचआईएल ढांचे के भीतर एक विशेष महिला लीग की शुरुआत न केवल महिला एथलीटों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है, बल्कि पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ समानता भी सुनिश्चित करती है, जिससे भारतीय हॉकी के लिए अधिक समावेशी और प्रतिस्पर्धी भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है। यह भारत में उन दुर्लभ उदाहरणों में से एक है जहां एक प्रमुख खेल लीग के पुरुष और महिला दोनों संस्करण एक साथ चलेंगे।

नीलामी में 250 से अधिक घरेलू महिला खिलाड़ी और 70 से अधिक विदेशी खिलाड़ी महिला एचआईएल के उद्घाटन सत्र में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

इस आयोजन में भारत की शीर्ष महिला हॉकी खिलाड़ी शामिल होंगी, जिनमें अनुभवी गोलकीपर सविता, टीम की कप्तान सलीमा टेटे, उभरती ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे अधिक मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और फॉरवर्ड लालरेम्सियामी शामिल हैं।

इसके अलावा, योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसी पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने भी पंजीकरण कराया है, जिससे नीलामी में और भी रोमांच बढ़ गया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, डेलफिना मेरिनो (अर्जेंटीना), चार्लोट स्टेपेनहोर्स्ट (जर्मनी), मारिया ग्रेनाटो (अर्जेंटीना), राचेल लिंच (ऑस्ट्रेलिया) और नाइक लोरेंज (जर्मनी) जैसी प्रसिद्ध खिलाड़ी भाग लेने के लिए तैयार हैं।

उल्लेखनीय रूप से, एचआईएल 2024-25 के महिला संस्करण के पहले सत्र में कुल चार टीमें भाग लेंगी, जबकि टूर्नामेंट के दूसरे सत्र में दो और टीमें जोड़ी जाएंगी। हिस्सा लेने वाली टीमें सूरमा हॉकी क्लब, हरियाणा और पंजाब - जेएसडब्ल्यू, श्राची राहर बंगाल टाइगर्स, पश्चिम बंगाल - श्राची स्पोर्ट्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स, नई दिल्ली - एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट, ओडिशा वारियर्स, राउरकेला - नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद तूफान (सीजन 2) और बीसी जिंदल ग्रुप, मुंबई (सीजन 2) हैं।

प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों का अनिवार्य समावेश) और 8 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो स्थानीय और वैश्विक प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के एचआईएल के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

खिलाड़ियों का चयन करने के लिए फ्रैंचाइज़ के पास 2 करोड़ रुपये का पर्स होगा, जिसमें एथलीटों को तीन बेस प्राइस स्लैब 10 लाख रुपये, 5 लाख रुपये और 2 लाख रुपये के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह न केवल हॉकी इंडिया लीग का पुनरुद्धार है, बल्कि भारत में महिला हॉकी के विकास का जश्न भी है। हमें पहली बार महिला नीलामी की मेजबानी करने पर गर्व है, जो न केवल टीमों के निर्माण के बारे में है, बल्कि विरासत बनाने के बारे में भी है। हम अपनी घरेलू प्रतिभाओं को कुछ सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए और अगली पीढ़ी के लिए नए नायक बनाते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। महिला एचआईएल 2024-25 भारतीय हॉकी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण होने का वादा करता है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर खेल के विकास को आगे बढ़ाएगा।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह भारतीय हॉकी, खासकर महिला खेलों के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण है। महिला नीलामी और लीग हमारी महिला एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक बहुत जरूरी मंच प्रदान करेगी। यह इरादे का एक शक्तिशाली बयान है, जो देश में महिला हॉकी के विकास के लिए हमारे समर्पण को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिभा और सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ियों को शामिल करने से, महिला एचआईएल हॉकी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और देश भर की युवा लड़कियों को प्रेरित करेगी।

केन्याई धावक रूथ चेपनगेटिच ने शिकागो में तोड़ा महिला मैराथन का विश्व रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क।
केन्या की रूथ चेपनगेटिच ने रविवार को इतिहास रचते हुए शिकागो में महिलाओं की मैराथन का विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने पिछले सर्वश्रेष्ठ से लगभग दो मिनट पीछे रहकर दो घंटे, नौ मिनट और 56 सेकंड का अनौपचारिक समय लेकर दौड़ पूरी की।

चेपनगेटिच ने शिकागो में अपना तीसरा खिताब जीता और इथियोपिया की टिगस्ट अस्सेफा के पिछले साल बर्लिन में बनाए गए 2: 11: 53 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इथियोपिया की सुतुमे केबेडे ने दो घंटे 16 मिनट और 36 सेकंड बाद रेखा पार की, जबकि केन्या की इरीन चेप्टाई (2: 17: 51) तीसरे स्थान पर रहीं।

रिकॉर्ड तोड़ने के बाद चेपनगेटिच ने कहा, मेरा सपना सच हो गया है,जिसका समय मूल रूप से 2: 09: 57 दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में इसे समायोजित कर दिया गया।

चेपनगेटिच ने शुरू से ही तेज रफ़्तार पकड़ी, पहले पाँच किलोमीटर 15 मिनट में दौड़ीं और आधे रास्ते तक उन्होंने खुद और केबेडे के बीच 14 सेकंड का अंतर बना लिया।

2019 की विश्व चैंपियन चेपनगेटिच रेस पूरी करने के बाद थककर झुक गईं और अपने प्रदर्शन को हमवतन केल्विन किप्टम को समर्पित किया, जिन्होंने एक साल पहले शिकागो में पुरुषों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था और चार महीने बाद एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी।

उन्होंने कहा, विश्व रिकॉर्ड मेरे दिमाग में था, शिकागो, जैसा कि मैंने पहले भी कहा, मेरे घर जैसा है।

केन्या के कोरिर ने जीता पुरुष वर्ग का खिताब

केन्या के जॉन कोरिर ने रविवार को 2 घंटे 2 मिनट 44 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय लेकर पुरुषों की शिकागो मैराथन का खिताब जीता। 27 वर्षीय कोरिर ने अपनी पहली बड़ी मैराथन जीत हासिल की। दूसरे नंबर पर इथियोपिया के मोहम्मद ईसा (2: 04: 39) और तीसरे नंबर पर केन्याई अमोस किप्रूटो (2: 04: 50) रहे।

एचआईएल नीलामी के पहले दिन के बाद श्रीजेश ने कहा-हमने ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों को चुना

नई दिल्ली।
हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी के पहले दिन रविवार को विभिन्न फ्रैंचाइज़ियों के प्रमुख लोगों ने अपनी टीम की संरचना और नीलामी प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए, जिससे आने वाले सत्र के लिए उनका आत्मविश्वास और उत्साह झलका।

दिल्ली एसजी पाइपर्स के निदेशक और सहायक कोच पीआर श्रीजेश ने टीम के चयन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने टीम की संतुलित प्रकृति पर जोर दिया, जिसमें अनुभवी विदेशी और प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ियों का मिश्रण शामिल है।

श्रीजेश ने कहा, हमने एक अच्छी टीम चुनी है, जिसमें एक विदेशी गोलकीपर भी शामिल है। ज़्यादातर, हमने भारतीय खिलाड़ियों को चुना है, जिससे डिफेंस और मिडफील्ड में पर्याप्त खिलाड़ियों के साथ एक संतुलित टीम तैयार हुई है। अह हमें फॉरवर्ड और मिडफील्ड पोजीशन पर ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

टीम के साथ अपनी परिचितता को दर्शाते हुए, उन्होंने कहा, मैं उन खिलाड़ियों को जानता हूँ जो हमारे साथ हैं; वे मेरे जूनियर हैं। एक खिलाड़ी आपको खेल नहीं जिता सकता; जीत तो टीम को ही मिलती है।

दिल्ली एसजी पाइपर्स के कोच ग्राहम रीड, जो टोक्यो ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक विजेता कोच थे, ने कहा, भारत में वापस आकर बहुत अच्छा लगा। मैं सभी भारतीय खिलाड़ियों, खासकर युवा खिलाड़ियों और रोहित से खुश हूं। श्रीजेश, शिवा और फिजियो के साथ हमारी टीम में कुछ सुधार हुआ है। ओलंपिक के बाद मैंने शायद लाखों बातें कही हैं; भारतीय हॉकी बेहतर से बेहतर होती जा रही है। मुझे हॉकी इंडिया को इसे एक साथ लाने के लिए बधाई देनी होगी। यह खेल के लिए अद्भुत है। यह हॉकी के लिए बहुत बढ़िया है, दर्शकों के लिए बहुत बढ़िया है, हॉकी को टीवी पर वापस देखना अच्छा होगा।

तेलंगाना के नितिन ने मध्य प्रदेश के श्रृषभ को दी मात राजस्थान के प्रेम सिंह ने दिल्ली के शौर्य को हराया

लखनऊ।
योनेक्स सनराईज डा. अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इंडिया सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में रविवार को क्वालिफाइंग राउंड खेले गये। शहर के कई स्टेडियमों प्रतियोगिता दोपहर बाद से शुरू होकर देर शाम तक चलती रही। इसमें खिलाड़ियों ने जमकर उत्साह दिखाया।

एकल मुकाबले में तेलंगाना के नितिन राघवेन्द्र ने मध्यप्रदेश के ऋषभ को कड़ी टक्कर में 12-15, 15-8, 15-9 से हरा दिया।

राजस्थान के प्रेम सिंह चौहान ने दिल्ली के शौर्य को सीधे मुकाबले में 19-17, 15-12 से हराया।

हरियाणा के जसकरन सिंह ने उप्र के अरुण श्रीवास्तव को कड़ी टक्कर में 15-5, 10-15, 15-3 से मात देकर बढ़त बना ली। उत्तरांचल के तुशार भंडारी ने उप्र के आर्यन चौधरी को 15-8, 15-12 से हरा दिया।

तेलंगाना के अभिनव कृष्णा ने दिल्ली के विशु 15-5, 15-9 से मात दे दी। वहीं तमिलनाडु के किर्थी लक्ष्मी को उत्तराचंल के कनक को कड़ी टक्कर में 15-10, 7-15, 15-7 से हरा दिया।

जम्मू-कश्मीर उन्नाती ने उप्र के गरीमा रावत को 15-9, 15-5 से हरा दिया। आंध्र प्रदेश के फरीहा सनी ने हरियाणा के कोमल को 15-6, 15-9 से मात दे दी।

संशोधित–महिला टी20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा-हम कुछ ढीली गेंदों को हिट नहीं कर सके

शारजाह।
आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ रन से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह और दीप्ति शर्मा अपनी साझेदारी के दौरान कुछ ढीली गेंदों को सही से हिट नहीं कर सकीं,जिसके कारण अंतत: टीम की हार हुई।

एनाबेल सदरलैंड के शानदार अंतिम ओवर की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को शारजाह में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप मैच में मात्र नौ रन से जीत दर्ज की। हरमनप्रीत ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा कि दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर यह था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं थी और उसके पास कुछ बेहतरीन ऑलराउंडर भी थे। हरमनप्रीत ने कहा, मुझे लगता है कि उनकी पूरी टीम योगदान देती है, वे एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रहते हैं, उनके पास कई ऑलराउंडर हैं जो योगदान देते हैं। हमने भी अच्छी योजना बनाई थी और हम खेल में मौजूद थे। उन्होंने आसानी से रन नहीं दिए और इसे मुश्किल बना दिया। वे एक अनुभवी टीम हैं। यह कुछ ऐसा है जो आपके नियंत्रण में नहीं है, आपको हमेशा अपने प्लेइंग इलेवन को तैयार रखना होता है, भले ही एक या दो खिलाड़ी बाहर हों। उन्होंने कहा, राधा ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, वह खेल में थी और उसने अच्छा क्षेत्ररक्षण भी किया। आपको टीम में ऐसे

चरित्र की आवश्यकता होती है जो हमेशा मौजूद रहे। यह एक ऐसा लक्ष्य था जिसे हासिल किया जा सकता था। जब मैं और दीप्ति बल्लेबाजी कर रहे थे, तो हम कुछ ढीली गेंदों को हिट नहीं कर पाए। हम ऑस्ट्रेलिया से बहुत कुछ सीख सकते हैं। जो कुछ भी हमारे हाथ में था, हम उसे करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह हमारे नियंत्रण में नहीं था। अगर हमें एक और गेम खेलने का मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन अन्यथा, जो भी टीम सेमीफाइनल में होने का हकदार है, वह वहां होगी। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्रेस हैरिस (40), कप्तान ताहलिया मैकग्राथ (32) और एलिस पैरी (32) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट पर 151 रन बनाए। भारत की तरफ से रेणुका सिंह, दीप्ती शर्मा ने 2-2 और श्रेयांका पाटिल, पूजा वस्त्राकर, और राधा यादव ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 54) के बेहतरीन अर्धशतक और दीप्ती शर्मा (29) व शैफाली वर्मा (20) की शानदार पारियों के बावजूद 20 ओवर में 9 विकेट पर 149 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया के लिए अन्नाबेल सदरलैंड, सोफी मोलीनेक्स ने 2-2 व मेगन शुट्ट,और एश्ले गार्डनर ने 1-1 विकेट लिया।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

दूर करें नाखूनों का पीलापन...

महिलाएं अपने नाखूनों को संवारना पसंद करती हैं। वे इनको ब्राइट और कलरफुल नेल पेंट्स से सजाती हैं लेकिन ये नेल पेंट नाखूनों को नुकसान पहुंचाते हैं जिसकी वजह से नाखून पीले पड़ जाते हैं। ऐसे नाखून देखने में तो खराब लगते ही है साथ ही लुक को खराब कर देते है। इन को छिपाने के लिए फिर नेल पेंट लगाना पड़ता है, लेकिन अब आपको इनको छिपाने की जरूरत नहीं। नींबू आसानी से नाखूनों के पीलेपन को कम कर सकता है। अपने नाखूनों को नींबू के रस में 10-15 मिनट तक डुबोएं और फिर एक मुलायम टूथब्रश से पीले हिस्सों को रगड़ें। इसे तब तक करें जब तक पीलापन दूर न हो जाए। एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा, आधा चम्मच ऑलिव ऑयल और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पीले नाखूनों पर लगाएं। फिर किसी ब्रश से स्क्रब करें और गुनगुने पानी से धो लें। अपने नाखूनों पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। एक नेल ब्रश की मदद से स्क्रब करें और कॉटन बॉल को गुनगुने पानी में डुबोकर साफ कर लें। नाखूनों को दिन में 2-3 बार संतरे के छिलके से रगड़े और आपको कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

चावल के पानी से पाएं ब्यूटी...

क्या आपने चावल के पानी से होने वाले ब्यूटी फायदों के बारे में सुना है। अगर नहीं तो आज हम आपको बता रहे कि आप कैसे चावल की मदद से अपने बालों को खूबसूरत और स्किन को ग्लोइंग बना सकती हैं। अगर आपके बाल हेयर स्ट्रेटनर और कैमिकल्स के ज्यादा इस्तेमाल से खराब हो चुके है तो शैम्पू करने के बाद चावल के पानी से हल्के हाथों से स्कैल्प का मसाज करें। फिर 5 मिनट के बाद इन्हें पानी से धो लें। जब आप अपने बालों को स्ट्रेट करवाती है तो इससे वे काफी कमजोर हो जाते है। ऐसे में बालों की चावल के पानी से मसाज करें। चावल का पानी बालों में चमक लाने का काम करता है। चावल के पानी में रोजमैरी, लैवेंडर या टी ट्री ऑयल्स मिलाएं और इस्तेमाल करें। चावल का पानी न सिर्फ एक कमाल का कंडीशनर है बल्कि शैम्पू का काम भी करता है। इसमें पिसा हुआ आंवला या शिकाकाई मिलाकर बालों को धोएं। इससे बाल खूबसूरत होंगे। चावल के पानी को कॉटन बॉल्स की मदद से पूरे चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में लगाएं। इसके बाद अपने चेहरे को इसी चावल के पानी से धो लें। चावल के पानी में मौजूद विटामिन और मिनरल्स स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। यह स्किन को ग्लोइंग बनाने का काम भी करता है।

छोटी सी लाइन का जादू...

आईलाइनर एक ऐसा जादू है जो आपके लुक को बदल कर आपको ज्यादा कान्फीडेंट बना देता है। आईलाइनर की एक छोटी सी लाइन आपके मेकअप के अंदाज को ही बदल देती है। इसे लगाने के भी बहुत सारे स्टाइलिश तरीके हैं जो आपकी आंखों को खूबसूरत और अट्रैक्टिव बनाते हैं।

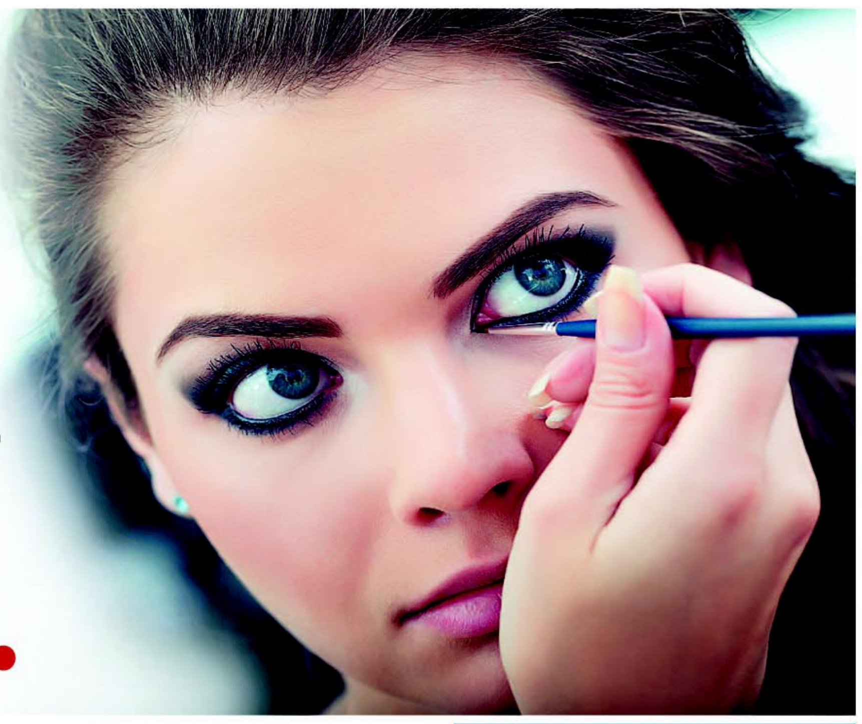

आंखों पर लोगों का ध्यान सबसे पहले जाता है। हर महिला अपनी आंखों को आकर्षक और मोहक बनाना चाहती है, ताकि वह सभी का ध्यान अपनी ओर खींच सके। संभवतः आई लाइनर महिलाओं का सबसे पसंदीदा मेकअप प्रोडक्ट होता है। आंखों में काजल तो हर महिला लगाती है लेकिन काजल के साथ अगर आईलाइनर से आंखों को टचअप दे दिया जाए तो चेहरे का लुक पूरी तरह से बदल जाता है। आंखों पर आईलाइनर लगाना एक कला है। यदि आप इसे ठीक से नहीं लगाती हैं तो यह आपके लुक को संवारने के बजाय उल्टा खराब कर देता है। इसके पीछे का कारण यह है कि अधिकतर को यह नहीं पता होता है कि आंखों में लाइनर, आंखों के आकार और अपने व्यक्तित्व के अनुरूप लगाना चाहिए। आई लाइनर को लगाने के लिए बेशक स्किल की जरूरत पड़ती है। आप इसे कई तरह से लगा सकते हैं। ऑफिस में आपको तैयार होकर जाना पड़ता है, लेकिन ऑफिस के लिए आपको इस तरह की तैयारी करनी होती है जिससे आपको फॉर्मल लुक मिले। ऐसे में आईलाइनर का सिंगल स्ट्रोक अच्छा विकल्प है। यह हमेशा से ही ट्रेंड में है और रहेगा। यदि आपकी आंखे बड़ी हैं तो थोड़ा पतला लाइनर लगाएं वही यदि आपकी आंखे छोटी हैं लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

सिंगल स्ट्रोक

सिंगल स्ट्रोक एक ऐसा लुक है जो हमेशा ट्रेंड में रहता है। ऑफिस में सिंगल स्ट्रोक ही फॉर्मल लुक देता है। आपको शॉपिंग पर जाना हो, तो यह आपके लिए परफैक्ट च्वॉइस है। इसके लिए आप काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। छोटी आंखों के लिए लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

डबल लाइनर

महिलाएं डबल लाइनर को ट्राई करने में थोड़ी झिझक महसूस करती हैं, लेकिन नाइट फंक्शंस के लिए यह लुक एकदम परफैक्ट है। इसमें दो लाइनें आंखों के किनारे से होकर गुजरती हैं। एक ऊपर की पलकों से और दूसरी नीचे की कोल लाइन से। ग्लैमर एड करने के लिए ऊपरी पलक पर इसे थोड़ा पंख जैसा आकार दें।

कलर्ड आईलाइनर

आजकल अलग-अलग कलर्स के आईलाइनर भी काफी इन हैं। इन्हें आप अपनी ड्रेस के साथ मैच करके लगा सकती हैं। इससे आपकी आंखें तो आकर्षक लगेंगी ही, साथ ही आपका लुक भी मॉर्डन दिखेगा।

इंकी ब्लैक आईलाइनर

ब्लैक आईलाइनर के साथ आंखें बेहद खूबसूरत दिखती हैं इसके फैलने का भी डर नहीं रहता। स्कैच की तरह लगने वाला यह लाइनर बड़ी आसानी से लग जाता है।

व्हाइट आईलाइनर

व्हाइट आईलाइनर कूलेस्ट आइवेयर ट्रेंड है। व्हाइट आईलाइनर ड्रॉमैटिक लुक देता है अगर इसे ठीक से अप्लाई किया जाए। व्हाइट आइलाइनर डल और थकी आंखों में भी चमक ला देता है। जैसे आप ब्लैक आईलाइनर का इस्तेमाल करती हैं, वैसे ही व्हाइट लाइनर लगाएं। थोड़ा ग्लैमर एड करना चाहें तो आई कॉर्नर को हल्का ब्लैक टच भी दे सकती हैं।

विंग इट

अगर आप बिल्ली जैसी आंख यानी कैटी आई पाना चाहती हैं तो विंग इट का इस्तेमाल करें। आप इससे बोल्ड भी दिखेंगी और आपका नारीत्व भी खुलकर सामने आएगा। यह ट्रिक बेहद आसान है। ऊपर की पलक पर नीचे की पलक की तुलना में मोटी लाइन बनाएं। इसके बाद आंख के बाहरी कार्नर से लाइन को बाहर की ओर निकाल दें। आपका शानदार लुक तैयार है।

स्मजिंग का प्रचलन

लाइनर को लगाने के बाद उसको स्मजिंग करना काफी प्रचलन में है। यह आपकी आंखों को काफी ग्लैमरस बना देता है। दोनों पलकों पर सामान्य रूप से लाइनर लगाएं। अब इसे थोड़ा स्मजिंग करके मुलायम बनाएं। खासकर निचली पलक और ऊपरी पलके के किनारे को। प्राकृतिक और प्रभावशाली लुक देने के लिए डार्कर शैडो लगाएं और इसे स्मज किए हुए लाइनर के साथ अच्छे से मिला लें।

360 डिग्री

आईलाइनर लगाने का 360 डिग्री एक सामान्य और चर्चित तरीका है। आपको बस अपनी आंख के चारों ओर बराबर और एक जैसा आइलाइनर लगाना होगा। आपका शानदार लुक तैयार हो जाएगा। कैजुअल मेकअप और नाइट गैदरिंग में आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

केक लाइनर

1930 और 40 के दशक में केल लाइनर काफी लोकप्रिय हुआ था। एक बार फिर यह चलन में लौट रहा है। केक लाइनर से आपके चेहरे का लुक काफी बोल्ड और प्रभावी दिखेगा। और तो और इसके लिए किसी विशेष कौशल की भी जरूरत नहीं होती है। बस इतना ध्यान रखें कि आप इसे सिर्फ और सिर्फ आई लाइनर ब्रश से ही लगाएं।

आंखों को कलर करना

हर तरह के ट्रेंड में कलर देखने को मिल रहा है। फिर चाहे यह कपड़ा हो या मेकअप। काले रंग के ऊपर कलर आइ लाइनर लगाना इस समय काफी प्रचलन में है। अपने पहनावे को और ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए अपने ब्लॉउज या टाप के रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें।

लाइनर के साथ ग्लिटर

फैस्टिव सीजन के लिए ग्लिटर आईलाइनर एक बेहतरीन स्टाइल है। दरहसल ग्लिटरी आई मेकअप ग्लैमर के साथ साथ चमक भी बिखेरता है। यह लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। आपको केवल इतना करना है की आईलाइनर लगाकर उस पर एक लाइन ग्लिटर की एड करनी है।

छोटी आंखों के लिए

यदि आप बिंदास, सुंदर और आधुनिक भारतीय महिला है। इसके अतिरिक्त आप जैसी भी हैं उसमें आप खुश हैं। तो आपका आईलाइनर के प्रति भी आपका नजरिया बोल्ड होना चाहिए। छोटी आंखों पर किनारे तक लिया गया लाइनर बहुत जंचता है। इसके लिए आंखों के किनारे से थोड़ी और ज्यादा लंबी लाइन बनाएं।

स्लिम लुक के लिए ऐसे चुनें कुर्ती...

महिलाएं अक्सर अपने आऊटफिट खरीदते वक्त उसके कलर और डिजाइन्स को देखती हैं। इसी गलती के कारण वे गलत आऊटफिट का चुनाव कर लेती हैं और जो उन पर बिल्कुल सुट नहीं करता। अगर आप भी अपनी कोई कुर्ती खरीदते समय ऐसा करती है तो हम आपको कुछ ऐसी बातें बताएंगे, जिससे आप सही कुर्ती भी खरीद सकेंगी और स्लिम भी दिखेंगी।

साइज का ख्याल

किसी भी आऊटफिट को खरीदते समय साइज का ध्यान जरूर रखें। पहले अपना साइज देख लें और अपनी फिटिंग के हिसाब से कुर्ती खरीदें। कोशिश करें कि अपनी साइज से एक इंच लंबी कुर्ती ही लें।

चिपकने वाले फैब्रिक्स

कभी भी ऐसे फैब्रिक्स न खरीदें जो आपकी बॉडी से चिपक जाए, क्योंकि यह मटीरियल आपको मोटा दिखाने के साथ-साथ आपके सारे कर्व्स भी उभारेगा।

बॉटम चुनें

अगर आप कुर्ती को स्टाइलिश लुक देना चाहती हैं तो इसे पलाजो और पटियाला जैसे अलग-अलग बॉटम वेयर के साथ पहनें। अगर आपकी हाइट छोटी है तो इसे लेगिंग के साथ कैरी करें।

स्ट्रेट कट

अनारकली, ए-लाइन और फ्लेयर-कट्स वाली कुर्ती में आप कभी भी स्लिम नहीं दिखेंगी। अगर आप स्ट्रेट कट वाली कुर्ती पहनेंगी तो आप स्लिम दिख सकती हैं और हाई नैक या ज्यादा कढ़ाही वाली कुर्ती तो बिल्कुल न पहने।

हैवी फैब्रिक

स्टार्च्ड कॉटन, ज्यादा कढ़ाही वाले कपड़े आपकी बॉडी को भारी और बड़ा दिखाते हैं। इसलिए सिंपल, लाइट और कम चमकीली कुर्ती का चुनाव करें।

स्लीव्स पर दें ध्यान

फुल स्लीव्स आपको मोटा दिखाती हैं, इसलिए शॉर्ट स्लीव्स ही पहनें ताकि आप स्लिम लगें। अगर आपको फुल स्लीव्स का शौक है तो आप 5 इंच की स्लीव पहन सकती हैं।

इनरवेयर

इनरवेयर की सही फिटिंग होगी तो ही कुर्ती की फीटिंग अच्छी होगी। हमेशा कुर्ती के अंदर एक अच्छी टी-शर्ट ब्रा और लो-कट लेस ब्रा ही पहनें। इससे फीटिंग परफेक्ट आएगी।

जापानियों की तरह बनाएं खाना...

पतले होने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। जिम, योग और स्लीमिंग कैप्सूल आम बात हो गई है। जंक फूड़ खाकर बच्चों के साथ अब तो बड़े भी मोटापे का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि ऐसा खाना बनाया और खाया जाए जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा हो। इसके लिए हम जापानी तरीके अपना सकते हैं। ये लोग अपना भोजन इस तरह पकाते हैं कि इनका प्राकृतिक स्वाद और रंग नहीं बदलता। वहां के रेस्तराओं में भी खाने को इस तरह पकाया जाता है कि सब्जियां देखने में बिल्कुल ताजी दिखती हैं। हम स्वस्थ भोजन के मामले में जापानी लोगों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। उनके यहां खाना पकाने का अंदाज भी निराला है।

नाम मात्र का तेल

जापान में पालक, चावल, भाप में पकी हुई मछली, हर चीज को बेहद प्राकृतिक तरीके से पकाया जाता है। आचार को सिरका और नमक से बनाया जाता है। खाने में तेल नाम मात्र का प्रयोग किया जाता है। भारत में नाश्ते और लंच के बाद चाय-कॉफी का ज्यादा इस्तेमाल होता है। वहीं जापानी महिलाएं सुबह का नाश्ता करने के बाद चाय-कॉफी जैसी चीजें नहीं लेतीं। काम करने के दौरान भी वे इन चीजों से परहेज रखती हैं। जहां तक खाने की बात है तो खाना कई हिस्सों में थोड़ा-थोड़ा खाया जाता है। एक साथ एक बार में पेट भर खाने की बजाय पूरे दिन थोड़ा-थोड़ा खाना बेहतर होता है। इसमें भूख भी शांत रहती है। नतीजतन हम फालतू चीजें नहीं खाते। ऐसे खाने में शरीर की पाचन क्रिया पूरे दिन सक्रिय रहती है। इससे हम स्वस्थ व पतले रहते हैं।

पानी की ज्यादा मात्रा

जापान के हर घर में जो खाना बनता है उसमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है। चाहे वह हरी सब्जियां हों, मछली हो, या फिर नूडल्स। यही इन्हें स्वस्थ रखने में मदद करता है। खाने में सूप और सब्जियां खाना पचाने में मदद करते हैं और पाचन क्रिया भी सही रहती है। पानी की अधिक मात्रा से खाना जल्दी पकता है। खाना भी हेल्दी रहता है। क्योकि पानी की ज्यादा मात्रा हमें ओवरइटिंग से बचाती है।

डेयरी उत्पाद कम

जहां तक डेयरी उत्पाद की बात है तो जापान में इसकी खपत काफी कम है। ज्यादा डेयरी उत्पाद वजन बढ़ाते हैं। मगर इसकी जगह वहां हरी सब्जियों और मछली का इस्तेमाल किया जाता है, जो उनके खाने में कैल्शियम की भरपाई कर देते हैं। ज्यादातर देशों यहां तक कि भारत में खाने में अत्याधिक तेल का इस्तेमाल किया जाता है। मगर जापानी भोजन में तेल का इस्तेमाल बेहद कम मात्रा में किया जाता है जिससे लोग मोटापे का शिकार होने से बचते हैं। खाने में अधिक तेल मोटापा और दिल की बीमारियां पैदा करता है।

मीठे का कम इस्तेमाल

खाने के बाद मीठा खाना हर भारतीय को पसंद है। मगर जापान में मीठे व्यंजन भी बेहद कम खाए जाते हैं। इसलिए यह ज्यादा हानिकारक नहीं होता। वहां ज्यादातर मीठे का बहुत ही कम मात्रा का पैकेट बनाया जाता है, जो फायदेमंद होता है। इस तरह हम जान सकते हैं कि सुपाच्य और स्वस्थ भोजन का मतलब क्या है?

जानें नियमित सैर के क्या हैं फायदे

डिप्रेशन

शोध के अनुसार जो लोग हर सप्ताह 6-9 मील चलते हैं उनमें बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त कम होने की डिमेंशिया जैसी समस्या की आशंका कम हो जाती है।

डायबिटिज

डायबिटिज में आहार पर नियंत्रण करने से काफी राहत मिलती है। यदि इसके साथ-साथ हर दिन 30 मिनट पैदल चलना शुरू किया जाए, तो टाइप-2 डायबिटिज के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

हृदय रोग

हर दिन 30 मिनट की सैर हृदय रोग के खतरे को भी कम करती है। साथ ही इससे तनाव, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर काबू पाने में भी मदद मिलती है।

दर्द में राहत

हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द होने पर भी पैदल चलना एक कारगर उपाय है। इससे दर्द में राहत मिलती है। शरीर की कार्यप्रणाली दुरुस्त होती है और गतिशीलता आती है।

कैंसर

प्रति सप्ताह पैदल चलना ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ितों में मोर्टेलिटी (मृत्यु दर) के खतरे को 50 प्रतिशत कम करता है।

प्रति सप्ताह पैदल चलने वाले प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों में मोर्टेलिटी की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। जो महिलाएं नियमित सैर करती हैं उनमें कोलेन कैंसर की आशंका व्यायाम या सैर न करने वाली महिलाओं की तुलना में 31 प्रतिशत कम हो जाती है।

तनाव से राहत

सुबह या शाम की सैर एंडोरफिंस नामक न्यूरोपेप्टाइड्स को सक्रिय करती है। इससे शरीर को आराम मिलता है, बेचैनी और चिड़चिड़ेपन जैसे लक्षणों में भी सुधार होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**